RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अनक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 84 ता. 20 सितम्बर 2024, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

राहुल गांधी से जुड़े मामले की सुनवाई टली......21 सितंबर नई तिथि

सुल्तानपुर । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए अदालत में साक्ष्य के आधार पर 19 सितंबर को सुनवाई होनी थी, लेकिन शिकायतकर्ता विजय मिश्रा के अधिवक्ता की व्यस्तता के कारण सुनवाई टल गई। अब अदालत ने 21 सितंबर को सुनवाई करना तय किया है। मिश्रा के अधिवक्ता संतोष कुमार पाण्डे ने बताया कि गुरुवार को कई अदालतों में उनके कई मामले सूचीबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैंने अन्य अदालतों में अपनी व्यस्तता अधिक होने के चलते समय मांगा। जिस पर अदालत ने मेरे निवेदन को स्वीकार कर अगली कार्रवाई हेतु 21 सितंबर तय की है। जानकारी के मुताबिक, कर्नाटक में 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी पर गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। अगस्त 2018 में जिले के भाजपा नेता विजय मिश्रा ने अदालत में परिवाद दर्ज कराया था। तब से यह मामला अदालत में चल रहा है। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान 20 फरवरी 2024 को राहुल गांधी ने अदालत पहुंचकर आत्मसर्मपण किया था। इसके बाद उन्हें 25-25 हजार रुपये के निजी मुचलकों पर जमानत मिल गई थी। इसके बाद अदालत की ओर से कई बार नोटिस जारी कर राहुल गांधी को बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। लोकसभा चुनाव के दौरान व्यस्तता के चलते राहुल गांधी अदालत नहीं पहुंच सके थे। इसके बाद उन्होंने 26 जुलाई को सुल्तानपुर की अदालत में आकर अपना बयान दर्ज कराया था।

आंध्र में नई आबकारी नीति को मिली मंजूरी, 1 अक्टूबर से होगी लागू

अमरावती। आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में नई आबकारी नीति और विधायी निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए 33 फीसदी आरक्षण को मंजूरी दे दी गई है। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री के. पार्थसारथी ने पत्रकारों को बताया कि नई आबकारी नीति एक अक्टूबर से लागू होगी। प्रबंधन दक्षता बढ़ाने के प्रयास के तहत मंत्रिमंडल ने शराब की बिक्री के लिए निजी खुदरा प्रणाली अपनाने का फैसला किया है। आंध्र प्रदेश में 3,736 खुदरा दुकानों में से 10 फीसदी ताड़ी निकालने वाले समुदाय को आवंटित की जाएंगी। कैबिनेट ने विधायी निकायों में पिछड़ी वर्गों को 33 फीसदी आरक्षण देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी और राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यूनिवर्सिटी और कौशल अकादमी स्थापित करने का भी फैसला किया है।

कार-टैंकर आपस में भिड़े, डेढ़ साल की मासूम समेत तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में एक कार और टैंकर की टक्कर में दंपति और उनकी डेढ़ साल की बेटी की मौत हो गई। हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर टैंकर चालक की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि शिवदासपुरा थाना क्षेत्र में रिंग रोड पर प्रहलाद पुरा रीको एरिया में एक कार और टैंकर की जबरदस्त टक्कर हो गई। इस हादसे में कार में सवार किशन शर्मा (30), उनकी पत्नी पिंकी शर्मा (28) और बेटी गुड्डू (डेढ़ साल) की मौत हो गई। हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, कार सवार लोग बीलवा के रहने वाले थे और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना बुधवार की बताई जा रही है।

मोहना सिंह तेजस लड़ाकू विमान उड़ाने वाली पहली महिला पायलट बनीं

-2020 में नारी शक्ति पुरस्कार से नवाजा गया था

नई दिल्ली। मोहना सिंह आईएएफ के तेजस लड़ाकू स्क्वाड्रन का हिस्सा बनने वाली भारत की पहली महिला पायलट बन गई हैं। मोहना जून 2016 में भारतीय वायुसेना में शामिल होने वाली पहली तीन महिला लड़ाकू पायलटों में से एक थीं। उन्हें गुजरात के नलिया में स्थित नंबर 18 फलाइंग बुलेट्स स्क्वाड्रन सौंपा गया है। मोहना ने हाल ही में तरंग शक्ति बहुपक्षीय हवाई युद्ध अभ्यास में भाग लिया। वह पहले नंबर 3 फाइटर स्क्वाड्रन का हिस्सा थीं, उन्होंने मिग-21 बाइसन विमान उड़ाया। अवनी चतुर्वेदी, भावना कंठ और मोहना सिंह भारतीय वायुसेना की पहली महिला फाइटर पायलटों के बैच में शामिल हुई थीं। केंद्र सरकार ने पायलट आधार पर महिलाओं के लिए फाइटर स्ट्रीम खोलने का फैसला लेने के एक साल के अंदर, उन्हें 2016 में आईएएफ में कमीशन किया था। फरवरी 2018 में अवनी चतुर्वेदी मिग-21 बाइसन उड़ाकर अकेले लड़ाकू विमान उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं थी, जिन्होंने जामनगर बेस से उड़ान भरी थी। हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि 2022 में शुरू की गई महिला लड़ाकू पायलटों की प्रायोगिक योजना को अब स्थायी योजना में बदल दिया है। स्क्वाड्रन लीडर मोहना भारतीय वायुसेना की एक प्रमुख महिला फाइटर पायलट हैं।

भाजपा का संकल्प पत्र........हर हरियाणवी अग्निवीर को सरकारी नौकरी

सभी महिलाओं को 2100 सौ रुपये प्रतिमाह

चंडीगढ़ ।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रोहतक में हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) जारी किया है। भाजपा ने किसानों और युवाओं को साधकर अग्निवीरों व वंचित समुदायों पर भी विशेष ध्यान दिया है। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को नॉनस्टाप हरियाणा का संकल्प पत्र का नाम दिया है। इसमें भाजपा ने जनता से 20 वादे किए हैं। भाजपा के 20 सूत्रीय संकल्प पत्र में सभी महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत प्रतिमाह 2100 रुपए दिए जाएंगे।आईएमटी खरखौदा की तर्ज पर 10 औद्योगिक शहरों का निर्माण होगा। प्रति शहर 50,000 स्थानीय युवाओं को नौकरी देने के लिए उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। चिरायु-आयुष्मान योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज एवं परिवार के 70 वर्ष से अधिक प्रत्येक बुजुर्ग को अलग से 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा। हरियाणा में किसानों की नाराजगी को देखकर भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में 24 फसलों की घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की गारंटी। इतना ही नहीं 2 लाख युवाओं को बिना पर्ची बिना खर्ची पक्की सरकारी नौकरी मिलेगी। 5 लाख युवाओं के लिए अन्य रोजगार के मौके एवं नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन योजना से मासिक स्टाइपेंड। हरियाणा के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 5 लाख आवास बनने का संकल्प लिया गया। सरकारी अस्पतालों में डायलिसिस और सभी अस्पतालों में मुफ्त डायग्नोसिस की सुविधा मिलेगी। हरियाणा में खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर जिले में ओलंपिक खेलों के लिए नर्सरी शुरु की जाएगी। हर घर गृहणी योजना तहत 500 रुपए में सिलेंडर देने का वादा किया गया है। अव्वल बालिका योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में कॉलेज जाने वाली प्रत्येक छात्रा को स्कूटर देने की बात कही गई है। हर हरियाणवी अग्निवीर को सरकारी नौकरी की गारंटी भी इस संकल्प पत्र में दी गई है। भारत सरकार के सहयोग से केएमपी के ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर का निर्माण एवं नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत। भारत सरकार के सहयोग से विभिन्न रैपिड रेल सेवाओं एवं फरीदाबाद से गुरुग्राम के बीच इंटरसिटी एक्सप्रेस मेट्रो सेवा की शुरुआत। छोटी पिछड़े समाज की जातियों (36 बिरादरियों) के लिए पर्याप्त बजट के साथ अलग-अलग कल्याण बोर्ड बनाए जाएंगे। डीए और पेंशनों को जोड़ने वाले साइंटिफिक फॉर्मूले के आधार पर सभी सामाजिक मासिक पेंशनों में वृद्धि की जाएगी।

भारत के किसी भी सरकारी कॉलेज से मेडिकल और इंजीनियरिंग पढ़ने वाले ओबीसी एवं एससी जातियों के हरियाणा के विद्यार्थियों को पूर्ण छात्रवृत्ति मिलेगी। सभी ओबीसी वर्ग के उद्यमियों को, मुद्रा योजना के अतिरिक्त, 25 लाख रुपये तक के ऋण की गारंटी हरियाणा राज्य सरकार उठाएगी। दक्षिण हरियाणा में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का अरावली जंगल सफारी पार्क बनाए जाएगा।

पाकिस्तान को पंसद आ रहा कांग्रेस का घोषणापत्र : शाह

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के हालिया बयान पर कांग्रेस को निशाने पर लिया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे भी एक हैं और एजेंडा भी एक ही है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने लिखा, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का आर्टिकल 370 और 35ए पर कांग्रेस और जेकेएनसी के समर्थन की बात ने फिर कांग्रेस को एक्सपोज कर दिया है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के बयान ने पुनः यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे भी एक हैं और एजेंडा भी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गाँधी देशवासियों की भावनाओं को आहत करते हुए हर एक भारत विरोधी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं। एयर व सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत माँगने हों, या भारतीय सेना के बारे में आपत्तिजनक बातें करना हो, राहुल गाँधी की कांग्रेस पार्टी और पाकिस्तान के सुर हमेशा एक रहे हैं और कांग्रेस का हाथ हमेशा देशविरोधी शक्तियों के साथ रहा है। लेकिन, कांग्रेस पार्टी और पाकिस्तान यह भूल जाते हैं कि केंद्र में मोदी सरकार है, इसलिए कश्मीर में न आर्टिकल 370 वापस आने वाला है और न ही आतंकवाद। बता दे कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अनुच्छेद 370 को लेकर बयान दिया है, इस बयान के बाद बीजेपी कांग्रेस पर हमलावर है। इस कथित क्लिप में हामिद मीर कहते हैं, ख्वाजा साहब मेरा सवाल आपसे यह है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस आज इलेक्शन में यह कह रही हैं कि अगर चुनाव में जीतते हैं, हम 370 और 35ए की सस्पेंशन को खत्म कर देने वाले है। क्या यह संभव है? इसके जबाव में ख्वाजा आसिफ कहते हैं, मेरा ख्याल है, यह संभव है, वहां कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की मौजूदगी काफी अहम है। इस मुद्दे पर घाटी की जनता बहुत आंदोलित है। कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठजोड़ की जीत की काफी संभावनाएं हैं। गठबंधन ने स्टेट्स की वापसी के मुद्दे को बड़ा बनाया हुआ है। हामिद मीर इसके बाद कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का एक बयान दिखाते हैं। हालांकि बयान में खेड़ा कहीं भी 370 और 35ए का जिक्र नहीं करते बल्कि वह केवल जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाने का ही उल्लेख करते हैं।

तकनीकी खराबी आने से दुर्घटना होने से बचा हेल ड्रोन, समुद्र में कराई लैंडिंग

नई दिल्ली।

चेन्नई के पास समुद्र में भारतीय नौसेना के एक हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस रिमोटली पायलट एयरक्राफ्ट की तकनीकी खराबी के कारण आपात लैंडिंग कराई गई है। यह घटना बुधवार की बताई जा रही है। हेल ड्रोन, आईएनएस राजाली, अराकोणम से एक नियमित निगरानी मिशन पर था। उड़ान के दौरान तकनीकी खरीबी को ठीक नहीं किया जा सका। ऐसे में कंट्रोल्ड लैंडिंग कराई गई। हेल ड्रोन को सुरक्षा के मद्देनजर, एयरक्राफ्ट को समुद्र के ऊपर एक सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया गया। चेन्नई से दूर समुद्र में नियंत्रित तरीके से उतारा गया। इस संबंध में ओरिजिनल एक्यूपमेंट निर्माता (ओईएम) से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी है। नौसेना ने इस हेल ड्रोन को लीज पर लिया था। यह ड्रोन नियमित निगरानी अभियान के लिए आईएनएस राजाली से संचालित होता है। तकनीकी खराबी के कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। ओईएम की रिपोर्ट के बाद ही इस बारे में कुछ स्पष्ट हो पाएगा। भारतीय नौसेना की ओर से किराए पर लिया गया हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट की सेफ लैंडिंग हुई है। तकनीकी गड़बड़ी के चलते एयरक्राफ्ट को उड़ान के दौरान रीसेट नहीं किया जा सका। ड्रोन को समुद्र के ऊपर एक सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया गया और चेन्नई के पास समुद्र में लैंडिंग कराई गई। हेल ड्रोन एक तरह का मानव रहित यूएवी है। इन्हें खास तरह से डिजाइन किया गया है। हेल ड्रोन, तेज रफ्तार से उड़ सकते हैं। इनका इस्तेमाल खुफिया जानकारी, निगरानी आदि कामों के लिए किया जाता है। इनकी खासियत है कि हेल ड्रोन ज्यादा ऊंचाई पर उड़ सकते हैं।

तोप और मिसाइल की जरुरत नहीं......बस एआई कर देगा काम तमाम

नई दिल्ली ।

न कोई सैनिक, न ही कोई मिसाइल और न ही किसी बाहरी चीज से हमला... हाल में कुछ ऐसा ही हुआ है लेबनान में हिजबुल्लाह के लड़ाकों के साथ की दुनिया के होश उड़ गए है। लेबनान में पेजर में हुए धमाकों के एक दिन बाद देश के कई हिस्सों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट की घटनाएं हुईं जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई और करीब 450 अन्य घायल हो गए। कभी पेजर, कभी वॉकी-टॉकी में विस्फोट ने लोगों को दंगा कर दिया। ये इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स किसी और के नहीं थे जिसके थे उसी पर हमला। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में इजरायल ने एक पुरानी तकनीक से ही हिजबुल्लाह को हैरान और परेशान कर दिया। एआई के इस दौर में इजरायल की खुफिया नजरों से बचने के लिए हिजबुल्लाह के सदस्य पेजर का इस्तेमाल कर रहे थे। विस्फोट के इस तरीके और हमले की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। ये हमले उस ओर भी इशारा करते हैं कि एआई वॉर का नजारा कैसा हो सकता है जब इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। लेबनान में हुए हमलों का आरोप इजरायल पर है। ये अटैक उस ओर इशारा करते हैं कि एआई के दौर में यह और कितना खतरनाक होगा। डर इतना हैं कि इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को छूने से भी लेबनान में लोग डर रहे हैं। इनदिनों एआई का दखल हर फील्ड में बढ़ता जा रहा है। जरूरी नहीं कि किसी देश पर हमला करने के लिए आप मिसाइल या तोप का इस्तेमाल करे। मानव इतिहास में युद्ध का एक अंधकारमय अध्याय रहा है। सदियों से मनुष्य ने अधिक शक्तिशाली हथियार बनाने में अपना समय लगाया है। तलवार और धनुष से लेकर तोप और मिसाइल तक, युद्ध के तरीके लगातार विकसित होते रहे हैं। लेकिन अब, एक नई तकनीक ने युद्ध के परिदृश्य को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है, वहां तकनीकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मशीनों को इंसानों की तरह सोचने और सीखने की क्षमता प्रदान करती है। एआई का उपयोग अब युद्ध में कई तरह से हो रहा है, जैसे कि ड्रोन, साइबर युद्ध, लॉजिस्टिक्स और युद्ध सिमुलेशन।

महाकाल लोक में शिल्पकारों द्वारा बनाई गई मूर्तियां उत्कृष्ट : राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति ने महाकाल लोक के शिल्पकारों से संवाद किया

उज्जैन/इन्दौर । राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज उज्जैन में महाकाल लोक में पाषाण की मूर्तियों का निर्माण करने वाले शिल्पकारों से मिलकर संवाद किया और उनके द्वारा बनाई जा रही मूर्तियों को उत्कृष्ट बताया। राष्ट्रपति से शिल्पकार ईश्वर चन्द्र महाराणा, शिल्पकार आदित्य महाराणा, शिल्पकार सुरेश कुमार ओझा, शिल्पकार अक्षय कुमार महाराणा से त्रिवेणी सभा मण्डपम में भेंट कर संवाद किया। सभी शिल्पकार ओड़िशा प्रदेश के पुरी जिले के रहने वाले हैं। जब राष्ट्रपति ने शिल्पकारों से संवाद किया तब सभी शिल्पकार काफी उत्सुक थे। खुशी से उनकी आँखे भर आई। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने शिल्पकारों से संवाद में कहा कि आप महाकाल लोक में मूर्ति का निर्माण कर रहे हैं, यह पूरे देश और विशेषकर ओडिशा राज्य के लिये गर्व का विषय है। उन्होंने शिल्पकारों द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी ली। राष्ट्रपति ने शिल्पकारों से कहा कि पढ़ाई सभी लोग करते हैं, लेकिन कला सबके पास नहीं होती है। आपके द्वारा किए जा रहे कार्य बहुत सराहनीय है। इस दौरान राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने शिल्पकारों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। शिल्पकारों द्वारा राष्ट्रपति को पाषाण का शिवलिंग भेंट किया।

शिल्पकारों को एक-एक लाख रुपए किए जाएंगे प्रदान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

महाकाल लोक में शिल्पकार शिव, कमल, सप्त ऋषियों इत्यादि की मूर्तियां बना रहे हैं। मूर्तियां बनाने का अधिकांश कार्य पूर्ण होने की कगार पर है। शिल्पकारों ने देश भर में पत्थर की अनेक मूर्तियां और मंदिर निर्माण किए हैं। राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इन शिल्पकारों को प्रोत्साहन स्वरूप एक-एक लाख रुपये की राशि प्रदान की जायेगी।

बोरवेल में गिरी मासूम को 17 घंटे बाद सकुशल बाहर निकाला, माता-पिता के छलके आंसू

-एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम की खूब हो रही तारीफ,

दौसा।

बांदीकुई के जोधपुरिया में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई वहां बुधवार शाम को खेलते-खेलते बालिका नीरू बोरवेल में गिर गई उसके बाद पूरे गांव में भय और चिंता का माहौल पैदा हो गया, लोग उसे बचाने की कोशिश करते रहे। उसके बाद सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को बचाने का अभियान शुरु कर दिया।

रात भर चले इस ऑपरेशन में गुरुवार सुबह अच्छी खबर आई तो लोगों ने राहत की सांस ली गई, जब 17 घंटे के एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने अथक प्रयास और संघर्ष के बाद डेढ़ साल की नन्ही बच्ची नीरु को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। उसको बाहर आते देख उसके माता-पिता और पूरा गांव खुशी से झूम उठा और बचाव टीम की तारीफ करता नजर आया।

बता दें घटना बुधवार को शाम 4 बजे की है, जब खेलते समय नीरू बोरवेल के गड्ढे में गिर गई। यह गड्ढा एक फुट चौड़ा था। नीरू करीब 26 फुट नीचे जाकर फंस गई। जैसे ही यह खबर गांव में फैली तुरंत ही प्रशासन हरकत में आ गया। अजमेर से एनडीआरएफ की टीम और दौसा से एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। चार जेसीबी मशीनों और एलएंडटी मशीन की मदद से बोरवेल के पास एक समानांतर गड्ढा खोदने का काम शुरु किया गया। इस दौरान, नीरु को निकालने के लिए देसी जुगाड़ों का भी सहारा लिया गया, लेकिन रात भर चली मशक्कत के बाद गुरुवार सुबह एनडीआरएफ की टीम ने सुरंग खोदकर बालिका को सकुशल बाहर निकाला। नीरू के बाहर आते ही उसके परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू बह निकले। मौके पर मौजूद लोगों ने इस साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन की सराहना की। जिले के कलेक्टर, एसपी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी पूरी रात मौके पर तैनात रहे। यह घटना एक बार फिर से ग्रामीण इलाकों में बोरवेल की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही है, लेकिन नन्ही नीरू की सुरक्षित वापसी से पूरा गांव राहत महसूस कर रहा है।

सरकार अपने को दोषी मान बदलाव लाए तभी दिखेगा परिवर्तन

-पुणे में युवती के खुदकुशी मामले पर बोले अखिलेश यादव

लखनऊ।

महाराष्ट्र के पुणे में मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने वाली एक युवती के खुदकुशी मामले को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि सरकार जिस दिन अपने को दोषी मानकर बदलाव लाएगी, उस दिन परिवर्तन दिखाई देगा। अखिलेश यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- वर्क-लाइफ बैलेंस का संतुलित अनुपात किसी भी देश के विकास का एक मानक होता है। पुणे में एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली एक युवती की काम के तनाव से हुई मृत्यु पर उसकी मां का लिखा हुआ भावुक पत्र ने देश के युवक-युवतियों को झकझोर दिया है। ये किसी एक कंपनी या सरकार के किसी एक विभाग की बात नहीं बल्कि कहीं ज्यादा, कहीं कम, हर जगह करीब एक-से ही हालात हैं। उन्होंने कहा कि देश की सरकार से लेकर कॉरपोरेट जगत तक को इस पत्र को एक चेतावनी और सलाह के रूप में लेना चाहिए। यदि काम की दशाएं और परिस्थितियां ही अनुकूल नहीं होंगी तो परफॉरमेंस और रिज़ल्ट्स कैसे अनुकूल होंगे। इस संदर्भ में नियम-क़ानून से ज्यादा आर्थिक हालातों को सुधारने की जरूरत है। सच तो ये है कि जिस प्रकार बेरोजगारी बढ़ रही है और काम व कारोबार सरकार की गलत नीतियों और बेतहाशा टैक्स की वजह से मंदी और घटती मांग का शिकार हुआ है, उससे व्यापारिक घाटे की ओर बढ़ते कारोबार पर कम-से-कम कर्मचारी से ज्यादा-से-ज्यादा काम करवाने का दबाव है। बड़े संदर्भों में देखें तो इस दबाव-तनाव का मूल कारण आर्थिक नीतियों की नाकामी है। अखिलेश ने कहा कि सरकार जिस दिन अपने को दोषी मानकर बदलाव लाएगी, सकारात्मक आर्थिक नीतियां बनाएगी, टैक्स सिस्टम और रेट को शोषणकारी न बनाकर लॉजिकल बनाएगी, वर्किंग कंडीशन्स को टेंशन फ़्री बनाएगी, उस दिन से सरकारी कर्मचारियों से लेकर कारोबार-कॉरपोरेट जगत के कर्मचारियों तक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। जब देश की मेंटल हेल्थ अच्छी होगी तभी तरक्की होगी। सरकार को अपनी सोच बदलनी होगी और काम करने के तरीकों को भी, जहां ज़्यादा घंटे काम करने का दिखावटी पैमाना नहीं बल्कि अंत में परिणाम क्या निकला, ये आधार होना चाहिए। बता दें कि महाराष्ट्र के पुणे में जानी मानी कंपनी अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) में काम करने वाली युवती की मौत हो गई थी। वह कंपनी में चार्टर्ड अकाउंटेंट थी। युवती की मां ने अत्यधिक काम के दबाव को मौत का कारण बताया। यह जानकारी उनके द्वारा कंपनी को लिखे पत्र से सामने आई है। पत्र सामने आने के बाद लोग कंपनी के खतरनाक कार्य संस्कृति पर बहस कर रहे हैं।

उमर अब्दुल्ला की पाकिस्तान को नसीहतः पहले अपना मुल्क संभाले, हमारे मामलों में दखल न दें

श्रीनगर।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान की ओर से आर्टिकल 370 पर की गई टिप्पणी का कड़ा जवाब दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को लेकर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा, पाकिस्तान को पहले अपना मुल्क संभालना चाहिए और हमारे चुनावों पर टिप्पणी करने से बचना चाहिए। हमें पाकिस्तान से कोई लेना-देना नहीं है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा था कि आर्टिकल 370 और 35 की बहाली के लिए पाकिस्तान, नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन के साथ है। उमर अब्दुल्ला ने इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए साफ किया कि जम्मू-कश्मीर का चुनावी मुद्दा पाकिस्तान से संबंधित नहीं है, और पाकिस्तान को अपने आंतरिक मामलों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और विशेषकर कश्मीर के चुनावी मुद्दों में पाकिस्तान का कोई दखल नहीं होना चाहिए। यह विवाद तब और गरमा गया जब पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में चुनावी मुद्दों पर बयान दिया, जिससे भारतीय राजनीतिक दलों और नेताओं के बीच आक्रोश बढ़ गया है।

क्या था पाकिस्तानी मंत्री का बयान

ख्वाजा आसिफ ने एक कार्यक्रम में कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में 370 और 35 की बहाली का समर्थन करता है और इस मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन के साथ खड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार बनती है, तो उनके पास 370 और 35 को फिर से लागू करने का मौका हो सकता है।

तमिलनाडु में बीजेपी 2026 के चुनावों को लेकर बड़े सुधार की बना रही योजना

चेन्नई।

बीजेपी की तमिलनाडु इकाई आगामी 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी के तहत संगठनात्मक ढांचे में बड़े सुधार की योजना तैयार कर रही है। पार्टी ने राज्य में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को बढ़ाने जिला समितियों की संख्या को मौजूदा 66 से बढ़ाकर 78 करने का फैसला लिया है। इस फैसले के पीछे का उद्देश्य बढ़ती हुई जिला इकाइयों के जरिए पार्टी को ज्यादा कार्यकर्ता और पदाधिकारी मिलेंगे, जिससे तमिलनाडु में बीजेपी मजबूत होगी।

बीजेपी ने पहले ही बूथ स्तर पर 200 नए सदस्यों को शामिल करने की योजना बनाई है, ताकि पूरे राज्य में पार्टी का विस्तार किया जा सके। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि इससे तमिलनाडु की राजनीति में बीजेपी एक शक्तिशाली खिलाड़ी के रूप में उभरेगी। 2 सितंबर से शुरू हुए सदस्यता अभियान की धीमी प्रगति को लेकर चिंताएं जताई जा रही हैं। एक वरिष्ठ बीजेपी नेता का कहना है कि एआईएडीएमके से गठबंधन खत्म करने के बाद पार्टी की विचारधारा में बदलाव के कारण स्थानीय और मध्य-स्तर के कार्यकर्ता भ्रमित हैं। यह भी एक कारण है कि सदस्यता अभियान में अपेक्षित गति नहीं आ रही है।

बीजेपी तमिलनाडु में प्रभाव बढ़ाने के लिए कुछ प्रभावशाली लोगों को पार्टी में शामिल करने की योजना भी बना रही है। सूत्रों के मुताबिक कुछ फिल्म स्टार, पूर्व क्रिकेटर, उद्योगपति और अन्य प्रमुख व्यक्तियों को बीजेपी में शामिल होने के लिए प्रस्ताव भेजे गए हैं। पार्टी को द्रविड़ मॉडल को तोड़ने और राज्य की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने की बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इन कदमों के जरिए से बीजेपी राज्य में अपनी स्थिति को मजबूत करने की उम्मीद कर रही है।

एमक्यू-9बी सी ड्रोन में आई तकनीकी खराबी.....नौसेना ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

भारतीय नौसेना ने हाल ही में अपनी तकनीक को आधुनिक और हाईटेक करने के लिए कई नए तरह के हथियारों को शामिल किया है। युद्ध के दौरान इस्तेमाल होने वाले निगरानी ड्रोन जैसे कई तरह की मशीनें भी नौसेना में शामिल हुई है।

इसमें से बड़े और हाईटेक हथियारों को ज्यादातर रुस, अमेरिका, फ्रांस से खरीदा गया है और कुछ का निर्माण भारत की ही कंपनियों ने किया है। लेकिन हाल ही में एक दुखद खबर आई है।

रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका से पट्टे पर लिए गए भारतीय नौसेना के हाई टेक ड्रोन में तकनीकी खराबी आ गई।

भारतीय नौसेना द्वारा अमेरिका से पट्टे पर लिया गया एक उच्च ऊंचाई वाला लॉन्ग एंड्योरेंस एमक्यू-9बी सी गार्जियन ड्रोन तकनीकी खराबी का सामना कर गया, और ड्रोन को चेन्नई के पास बंगाल की खाड़ी में गिरा दिया गया। क्योंकि नियमित निगरानी मिशन के दौरान इसमें तकनीकी खराबी आ गई थी। नौसेना ने पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद 2020 में अमेरिकी नौसेना से दो आरपीए पट्टे पर लिए थे।

भारतीय नौसेना ने बताया कि ड्रोन चेन्नई के पास अरक्कोणम में स्थित आईएनएस राजाली नौसेना हवाई अड्डे से संचालित हो रहा था। बयान में कहा गया है, विमान को समुद्र के ऊपर सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया गया और चेन्नई के पास समुद्र में नियंत्रित तरीके से उतारा गया। मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।

एम्क्यू-9बी सी गार्जियन एक उच्च ऊंचाई वाला, लंबे समय तक चलने वाला ड्रोन है, जिसका उपयोग आमतौर पर समुद्री निगरानी और टोही अभियानों के लिए होता है। 2020 में, नौसेना ने भारतीय महासागर क्षेत्र (आईओआर) में अपनी खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अमेरिकी कंपनी जनरल एटॉमिक्स द्वारा निर्मित प्रीडेटर बी के एक संस्करण, दो एमक्यू-9बी सी गार्जियन ड्रोन को पट्टे पर लिया था।

शुरुआत में, पट्टे की अवधि एक वर्ष के लिए थी, लेकिन बाद में बढ़ाया गया। ड्रोन तमिलनाडु में नौसेना हवाई अड्डे राजाली से संचालित हो रहे हैं।

अभिनेता दीपक तिजोरी से प्रोड्यूसर ने की 1.75 करोड़ की धोखाधड़ी

-पुलिस ने किया मामला दर्ज, आरोपियों की तलाश जारी

नई दिल्ली।

बॉलीवुड अभिनेता दीपक तिजोरी के साथ लाखों रुपए की धोखाधड़ी की गई है। उन्होंने 'भैयाजी' के प्रोड्यूसर विक्रम खाखर के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया है। दीपक का आरोप है कि उनके साथ करीब एक करोड़ 75 लाख की धोखाधड़ी की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश भी शुरु कर दी गई है।

अंबोली पुलिस के मुताबिक अभिनेता दीपक तिजोरी पहली बार 2019 में प्रोड्यूसर विक्रम खाखर से मिले थे। बातचीत में दीपक ने उल्लेख किया कि वह टिप्सी नामक एक फिल्म प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे, जिसे रोक दिया गया था।

तब खाखर ने दीपक को बताया कि उनके लंदन में कुछ कॉन्टेक्ट्स हैं और वे वहां फिल्म को पूरा करने में मदद कर सकते हैं।

इसके लिए दीपक ने करीब एक करोड़ 75 लाख रुपए तीन मार्च 2020 को अपने बैंक खाते से खाखर की कंपनी थॉट बेंचर्स के खाते में डाल दिए थे। कुछ दिन बाद जब दीपक तिजोरी ने फिल्म के बारे में पूछा तो खाखर ने कहा कि कोरोना के चलते लंदन में सब बंद है। कोरोना खत्म होने के कुछ दिन बाद विक्रम खाखर ने फिर फिल्म बनाकर देने का वादा किया, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी उसने फिल्म नहीं बनाई। दीपक ने 14 मार्च 2024 को मैसेज कर खाखर से अपने रुपए वापस मांगे तब भी उसने संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।

इस दौरान दीपक को यह भी पता चला कि जो पैसा खाखर को दिया था, उसने उसमें से एक पैसा भी फिल्म बनाने के लिए खर्च नहीं किया है तब उन्हें अहसास हुआ कि उनके साथ खाखर ने धोखाधड़ी की है। इसके बाद दीपक ने 17 सितंबर को अंबोली पुलिस स्टेशन में खाखर के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। बता दें दीपक तिजोरी 'जो जीता वही सिकंदर', 'कभी हां कभी ना', 'खिलाड़ी', 'अंजाम', 'सड़क', 'आशिकी', 'गुलाम' और 'फरेब' जैसी हिट फिल्मों में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं।

सरकारी कंपनी ने सरकारी बैंकों का नहीं चुकाया पैसा....खाते फ्री

केंद्र का करोड़ का पैकेज भी हो गया बर्बाद

नई दिल्ली । सुनने और पढ़ने में आपको अजीब लग रहा हो, लेकिन यह सच है कि एक सरकारी कंपनी ने कई सरकारी बैंकों का लोन नहीं चुकाया। 2.5 माह में 4 डिफॉल्ट करने के बाद बैंकों ने उसके खाते एनपीए कर सभी पैसों को फ्रीज कर दिया। इस सरकारी कंपनी की यह दुर्गति तब हुई है, जबकि मोदी सरकार ने इन दोनों कंपनियों को बचाने के लिए साल 2019 से अब तक 3.22 लाख करोड़ रुपये का पैकेज दिया है। दरअसल, बात कर रहे हैं सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) और भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की। एमटीएनएल ने बताया कि ब्याज और किस्त का भुगतान न करने के कारण पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ उसके ऋण खाते को इसी माह गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित किया गया है। एमटीएनएल ने बताया कि इस संबंध में पीएनबी का 13 सितंबर, 2024 का पत्र संलग्न है, जिसके अनुसार विभिन्न खातों में बकाया राशि करीब 441 करोड़ रुपये है, जबकि 46 करोड़ रुपये से अधिक पिछला बकाया है। बता दें कि एमटीएनएल ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 155.76 करोड़ रुपये, एसबीआई को 140.37 करोड़, बैंक ऑफ इंडिया को 40.33 करोड़, पंजाब एंड सिंध बैंक को 40.01 करोड़, पीएनबी को 41.54 करोड़ और यूको बैंक को 4.04 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है।

एमटीएनएल के खातों को पहले भी सरकारी बैंकों ने फ्रीज कर दिया था। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बीते 21 अगस्त को कंपनी के खातों को फ्रीज किया था, क्योंकि एमटीएनएल ने 400 करोड़ से ज्यादा का डिफॉल्ट कई बैंकों के साथ किया था।

बता दें कि एमटीएनएल पर करीब 1000 करोड़ रुपये का लोन बकाया है। इसके पहले कंपनी ने तमाम बैंकों से 5,573 करोड़ रुपये का लोन उठाया था। मोदी सरकार ने साल 2014 में एमटीएनएल को 'बीमारू' कंपनी बताया था। इसके बाद साल 2019 से अब तक 3 अलग-अलग राहत पैकेज के जरिये बीएसएनएल और एमटीएनएल को 3.22 लाख करोड़ का पैकेज जारी किया जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

नक्सलियों ने आइईडी ब्लास्ट....एक जवान घायल

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में गुरुवार सुबह नक्सलियों ने आइईडी ब्लास्ट किया है। इसमें सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया है। जवान को एयरलिफ्ट कर बेहतर इलाज के लिए रांची रिफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनल, अनमोल, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन अपने दस्ता के सदस्यों के साथ सारंडा के कोल्हान क्षेत्र में भ्रमणशील है। सूचना पर एक्शन लेकर सुरक्षा बलों के जवानों ने छोटानागरा एवं जराईकेला थाना के सीमावर्ती जंगली क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान प्रारंभ किया। अभियान के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के जवानों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से बम लगाया था जिसकी चपेट में आने से सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया।

विदेश मामलों की कमान शशि थरूर को, शिक्षा विभाग की दिग्विजय को

संसद की स्थायी समिति का जिम्मा दिया

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद शशि थरूर विदेश मामलों से संबंधित संसद की स्थायी समिति की अध्यक्षता करने वाले है। वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह शिक्षा विभाग से जुड़ी समिति का जिम्मा दिया गया है। पार्टी सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी कृषि संबंधी स्थायी समिति और ओडिशा के कोरापुट से पार्टी सांसद सप्तगिरी उलका ग्रामीण विकास संबंधी समिति की अध्यक्षता करने वाले है। नई लोकसभा के गठन के पश्चात मोदी सरकार के साथ लंबी मंत्रणा के बाद मुख्य विपक्षी दल को लोकसभा की विदेश, कृषि और ग्रामीण विकास संबंधी तीन स्थायी समितियों की अध्यक्षता मिली है। कांग्रेस को राज्यसभा की शिक्षा संबंधी स्थायी समिति की अध्यक्षता का उत्तरदायित्व दिया गया है। पार्टी ने अब इन समितियों के अध्यक्षों के नाम तय कर दिए हैं। हालांकि संसद की स्थायी समितियों की अध्यक्षता को लेकर कोई आधिकारिक अधिसूचना नहीं आई है, लेकिन इसके जल्द ही जारी होने की उम्मीद है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल पहले से ही लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष हैं। संसद में विभागों से संबंधित कुल 24 स्थायी समितियां हैं। लोकसभा के तहत 16 और राज्यसभा के तहत आठ स्थायी समिति होती हैं। इनमें से प्रत्येक समिति में 31 सदस्य होते हैं। लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य होते हैं, जिन्हें संबंधित दलों की अनुशंसा पर लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति द्वारा नामित किया जाता है। इन समितियों का कार्यकाल एक वर्ष का होता है।

नवादा की घटना पर तेजस्वी.........महा जंगलराज! महा दानवराज!

पटना । बिहार के नवादा जिले में दलितों के 100 से अधिक घरों में आग लगने की घटनाओं पर प्रतिक्रिया देकर विपक्षी नेता तेजस्वी यादव ने तेज आक्रमण किया है। उन्होंने घटना पर अपनी नाराजगी जाहिर कर कहा, महा जंगलराज! महा दानवराज! महा राक्षसराज! तेजस्वी ने अपने पोस्ट में लिखा कि, नवादा में दलितों के घर जलाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के राज में बिहार में आग ही आग है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बेफिक्र हैं और एनडीए के सहयोगी दल बेखबर हैं! गरीब जल रहे हैं, मर रहे हैं, उन्हें क्या फर्क पड़ता है? दलितों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं होगा। तेजस्वी ने घटनाक्रम को लेकर नीतीश कुमार के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी को भी निशाने पर लिया, यह आरोप लगाकर कहा कि उनके शासन में गरीब और दलितों की सुरक्षा पूरी तरह से खतरे में है। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बिहार में दलितों का घर जलाया जा रहा है और सरकार चैन की नींद सो रही है। तेजस्वी यादव ने ठीक कहा है कि बिहार में महा जंगलराज से बड़ा महाराक्षक राज आ गया है। दलित भाइयों पर अत्याचार किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। बिहार जिस तरह जल रहा है उसपर प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए को बोलना चाहिए।

नवादा घटना के लिए यादव समाज के लोग जिम्मेदार: मांझी

- चिराग बोले- घटना शर्मनाक और निंदनीय, दोषियों को मिले सख्त सजा

पटना।

बिहार नवादा में दलित बस्ती जलाए जाने के मामले में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बड़ा बयान दिया है। मांझी ने इस घटना के लिए यादव समाज के लोगों को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि बिहार में मुसहर और चमार जाति के लोग सालों से एक जगह पर साथ रह रहे हैं। लेकिन विरोधी पक्ष के लोग यादव समाज के लोग हैं। उन्होंने जमीन के लिए कुछ मुसहर जाति के लोगों को अपने पक्ष में करके घटना को अंजाम दिया है।

मांझी ने कहा कि अभी तक पुलिस ने इस मामले में 15 लोगों को गिरफ्तार किया है, इसमें से 12 यादव हैं। इससे साफ है कि ये लोग बिहार में अभियान चला कर दलितों को टारगेट कर रहे हैं। कुछ लोग साजिश के तहत इनकी जमीन पर कब्जा कर मकान बनाते हैं। इस पर सरकार ध्यान दे। वहीं विपक्ष की तरफ से दलित समाज के नेताओं की चुप्पी के सवाल खड़ा करने पर जीतनराम मांझी ने कहा कि जब हम विधानसभा सदस्य थे, तब भी हमने कहा था कि 70 फ़ीसदी एक पार्टी विशेष के लोग एक समाज के लोग हैं उनके द्वारा ज़मीनों पर कब्जा किया जा रहा है। बिहार विधानसभा में भी हमने कहा था कि सरकार इस पर ध्यान दे। मांझी ने इशारों ही इशारों में आरजेडी पर हमला बोला। वहीं इस मामले पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने न्यायिक जांच की मांग की है। चिराग ने सोशल मीडिया पर लिखा-बिहार के नवादा में दबंगों और अपराधियों द्वारा महादलित टोले के करीब 80 घरों में आग लगाने की ख़बर बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। एनडीए सरकार का प्रमुख सहयोगी होने के नाते सीएम नीतीश कुमार से मांग करता हूं कि ऐसे दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए और पीड़ितों की आर्थिक मदद का हर संभव प्रावधान करें। साथ ही, मामले की न्यायिक जांच की भी मांग करता हूं ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी घटना करने की हिमाकत भी न करे. पीड़ित परिजनों के प्रति मेरी और मेरे पार्टी की गहरी संवेदना है, मैं जल्द ही घटनास्थल का दौरा कर परिजनों से मुलाकात करूंगा।

बता दें बिहार के नवादा के देदौर पंचायत के कृष्णा नगर स्थित दलित बस्ती के कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया था। इस घटना में आधिकारिक तौर पर अभी तक 21 घरों के जलने की पुष्टि हुई है। हालांकि इस मामले जो बड़ा खुलासा हुआ है वह यह है कि दलित समुदाय से ही दबंग प्रवृति के लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है। ये दबंग पड़ोस के ही गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

मुलायम सिंह खेलते थे जुआ, जुए में जीती थी पहली साइकिल

- जुए में जीती थी पहली साइकिल

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली का विवादित बयान

मुरादाबाद ।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है। शौकत अली ने मुरादाबाद के कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा के दौरान कहा कि मुलायम सिंह यादव जुआ खेलते थे और उन्होंने पहली बार जुए में साइकिल जीती थी, इसलिए साइकिल को अपनी पार्टी का चुनाव चिन्ह बना लिया। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है, खासकर उस समय जब उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं। शौकत अली ने इस मौके पर कांग्रेस और भाजपा पर भी तीखे हमले किए। गौरतलब है कि आगामी उपचुनावों में एआईएमआईएम ने हिस्सा लेने की घोषणा की है। इसके साथ ही एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन

ओवैसी और आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद के बीच गठबंधन की संभावना भी जताई जा रही है। यदि यह गठबंधन होता है, तो यह समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वोट बैंक को बड़ा झटका दे सकता है और यूपी की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत हो सकता है।

इजरायल में आधी रात को अचानक बजने लगे मोबाइल, साइबर अटैक की आशंका

तेलअवीव। लेबनान का आतंकी संगठन हिजबुल्लाह पेजर और वॉकी-टॉकी अटैक से बेहाल है। उसने आरोप लगाया है कि इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद ने इस पूरे कांड को रचा। इसी बीच खबर आई की इजरायल पर साइबर अटैक हुआ है। यहां अचानक मोबाइल बजने लगे और हमले का अलर्ट दिया गया। लोकल मीडिया की रिपोर्ट है कि आधी रात को अचानक इजरायलियों के फोन बजने लगे। उन पर इमरजेंसी मैसेज दिखने लगा। मैसेज में इजरायलियों को सुरक्षित जगह भाग जाने के लिए कहा गया था। इस तरह के हजारों मैसेज मिलने के बाद अफरा-तफरी जैसी स्थिति पैदा हो गई। इजरायली अधिकारी इस तरह के मैसेज की जांच कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि ये ईरानी हैकर्स द्वारा प्रायोजित हो सकते हैं। वहीं, इजरायली सेना आईडीएफ ने इस तरह के मैसेजों को फर्जी करार देते हुए कहा कि उन्होंने इजरायलियों को इस तरह का कोई संदेश नहीं भेजा। यह साइबर अटैक हो सकता है। आईडीएफ के बयान में कहा गया, आपातकालीन घोषणा वाला मैसेज हमारी ओर से नहीं किया गया। होम फ्रंट कमांड की रक्षा नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गौरतलब है कि इजरायल पर साइबर हमले की खबर लेबनान में लगातार दो दिन पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोटों में मारे गए 20 से अधिक लोगों की जान जाने के बाद आई है। हिजबुल्लाह के अधिकारियों के मुताबिक, बेरूत और दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में लोगों के जेब में रखे पेजर में अचानक विस्फोट होने लगे। लेबनान मंगलवार को हुए इस हमले से संभला भी नहीं था, तभी अगले दिन बुधवार को वॉकी-टॉकी विस्फोट में कई लोगों की जान चली गई। इन दोनों हमलों के पीछे इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद का हाथ बताया जा रहा है। पेजर और वॉकी-टॉकी में विस्फोटक भरा हुआ था। इजरायली मीडिया ने बताया कि बुधवार देर रात देशभर के इजरायलियों को आपातकालीन अलर्ट में फर्जी मैसेज प्राप्त हुए। जिनमें उनसे कहा गया कि वे जहां हैं, वहां से चले जाएं और किसी सुरक्षित क्षेत्र में चले जाएं। संदेश के व्यापक रूप से प्रसारित होने के बाद बताया कि इस संभावना की जांच की जा रही है कि इसके पीछे ईरान का हाथ है।

गाजा में इजरायली हमलों में लगभग 42 हजार की मौत 34,344 लोगों की हुई पहचान

रामल्लाह। गाजा में इजरायली हमलों में लगभग 42 957 लोगों की मौत हुई है जिसमें से 34,344 लोगों की हुई पहचान कर ली गई है। इनके शव अस्पताल, मुर्दाघर में रखे गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय ने नाम, आयु, लिंग और पहचान संख्या की एक सूची प्रकाशित की है, जिसमें अब तक युद्ध में मारे गए 80 प्रतिशत से अधिक फिलिस्तीनियों के नाम शामिल हैं। सूची में शामिल नामों के अलावा इजरायल के साथ संघर्ष में मारे गये शेष 7,613 लोगों को मिलाकर मृतकों की संख्या अब 41957 से अधिक हो गई है। उनके शव अस्पतालों और मुर्दाघरों में रखे गए हैं, लेकिन अब तक पहचान नहीं हुई है। जिन 34,344 मृतकों की सूची दी गई है, उनमें 11,355 बच्चे; 60 साल या उससे अधिक आयु के 2,955 लोग, और 6,297 महिलाएं शामिल हैं। लड़ाई की उम्र के कई नागरिक पुरुष भी मारे गए हैं। इजरायल ने बिना कोई सबूत दिए दावा किया है कि उसने 17 हजार आतंकवादियों को मार गिराया है। उसने गाजा में मारे गए आम नागरिकों का अनुमान नहीं लगाया है। पहचाने गए लोगों में 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमास हमलों के बाद पैदा हुए 169 बच्चे भी शामिल हैं। उसी हमले के बाद इजरायल की जवाबी कार्रवाई शुरू हुई जिसे अब लगभग एक साल हो गये हैं। साथ ही 1922 में पैदा एक व्यक्ति भी इस संघर्ष में मारा गया जिसने एक सदी से अधिक के अपने जीवन में कई युद्ध देखे थे। गाजा के अधिकारियों द्वारा जारी दस्तावेज 649 पन्नों का है। मृतकों की सूची मुख्यत: उम्र के हिसाब से दी गई है। गाजा की आबादी युवा है। सूची में फिलिस्तीनी मरने वाले बच्चों के नामों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है। इजरायली अधिकारी गाजा में अधिकारियों द्वारा दी गई मौतों की संख्या पर सवाल उठाते रहे हैं। उनका तर्क है कि चूंकि हमास वहां की सरकार को नियंत्रित करता है, इसलिए गाजा के स्वास्थ्य अधिकारी आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं। हालांकि, इस क्षेत्र के डॉक्टरों और सिविल सेवकों के पास पिछले युद्धों का विश्वसनीय रिकॉर्ड है। साल 2009 और 2021 के बीच कई संघर्षों के बाद, संयुक्त राष्ट्र के जांचकर्ताओं ने मृतकों की अपनी सूची तैयार की और पाया कि वे गाजा द्वारा दी गई सूचियों से काफी मिलते-जुलते हैं। इजरायल के साथ मौजूदा संघर्ष के दौरान फिलिस्तीनी अधिकारी नियमित रूप से पुष्टि किए गए मृतकों की सूची अपडेट करते रहे हैं। हालांकि वे आम नागरिकों और लड़ाकों की संख्या अलग-अलग जारी नहीं करते हैं।

अपनी पत्नी के कपड़ों को लेकर विवाद में फंसे ब्रिटिश प्रधानमंत्री

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर अपनी पत्नी के कपड़ों को लेकर अजीबोगरीब मुसीबत में फंसे हैं। आरोप है कि उनकी पत्नी लेडी विक्टोरिया स्टार्मर को एक अमीर शख्स ने लाखों रुपये के कीमती गिफ्ट दिए। उनकी बीवी को कपड़े खरीदने के लिए मोटी रकम दी। यह सब उन्हें पता था, इसके बावजूद उन्होंने संसद को जानकारी नहीं दी। यह ब्रिटिश कानूनों का खुलेआम उल्लंघन है। यही आरोप पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक पर भी लगे थे। रिपोर्ट के अनुसार, लेबर पार्टी के समर्थक लॉर्ड एली ने लेडी विक्टोरिया स्टार्मर को ये महंगे गिफ्ट दिए। लॉर्ड एली ऑनलाइन फैशन फर्म एसोस के चीफ रहे हैं। आरोप है कि कीर स्टार्मर ने जब खुद को मिले गिफ्ट की घोषणा की तब लेडी विक्टोरिया को मिले गिफ्ट के बारे में जानकारी छुपाई। ब्रिटेन के कानूनों के मुताबिक, सभी सांसदों को 28 दिन के अंदर खुद को या परिवार के सदस्यों को मिले गिफ्ट के बारे में जानकारी पब्लिक करनी होती है। किसी थर्ड पार्टी से लाभ लिया है, तब उसके बारे में डिटेल्स देनी होती है। रिपोर्ट के अनुसार कीर ने यह नहीं बताया कि एक धनी व्यवसायी और लेबर पार्टी के दानदाता ने उनकी पत्नी विक्टोरिया के लिए महंगे कपड़े खरीदे थे। पर्सनल शॉपर के रूप में कपड़े और मेकओवर का खर्च उठाया। हालांकि, स्टार्मर ने ये जरूर बता दिया था कि लॉर्ड एली ने उन्हें कई हफ्तों तक अपने यहां ठहराया था। जहां रहने की कीमत 26,000 डॉलर (22 लाख रुपये) से ज्यादा थी। कई जोड़ी चश्मे, काम के कपड़े दिए। कीर स्टार्मर पर यह भी आरोप है कि उन्होंने लॉर्ड एली को 10 डाउनिंग स्ट्रीट यानी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री आवास तक अस्थायी पास दिया था, जिससे वे कभी भी कीर स्टार्मर तक पहुंच सकते थे। उन्हें कोई नहीं रोक सकता था। जबकि लॉर्ड एली सरकार में किसी भी पद पर नहीं हैं। विवाद बढ़ने पर 10 डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने कहा, प्रधानमंत्री का मानना है कि उन्होंने संसदीय नियमों का पालन किया है। सभी गिफ्ट के बारे में घोषणा की है। विदेश सचिव डेविड लैमी ने कहा, इसमें ट्रांसपेरेंसी का कोई मुद्दा नहीं है। प्रधानमंत्री ने साफ बताया है कि उन्हें लॉर्ड एली से पैसे और गिफ्ट मिले हैं। पार्लियामेंट्री कमिश्नर इसकी डिटेल्स चेक कर लेने वाले है। सच्चाई ये है कि सभी प्रधानमंत्री दानदाताओं के संपर्क में रहते हैं, ताकि पार्टी को फायदा पहुंच सके। लैमी ने कहा, अमेरिका में अपने राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी के कपड़े खरीदने के लिए पर्याप्त बजट है। हमारे देश में प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी को कपड़े खरीदने के लिए बजट नहीं मिलता।

स्ट्रोक पुनर्वास में एचआईआईटी की भूमिका पर डाली नई रोशनी

वॉशिंगटन (ईएमएस)। विशेषज्ञों ने हाल ही में पुष्टि की है कि उच्च तीव्रता अंतराल प्रशिक्षण (एचआईआईटी), यानी एक मिनट की तीव्र व्यायाम और छोटे विश्राम के साथ किया गया प्रशिक्षण, स्ट्रोक के रोगियों के लिए पारंपरिक मध्यम व्यायाम की तुलना में अधिक प्रभावी हो सकता है। इस अध्ययन ने स्ट्रोक पुनर्वास में एचआईआईटी की भूमिका पर नई रोशनी डाली। जब स्ट्रोक होता है, तो मस्तिष्क में रक्त प्रवाह बाधित हो जाता है, जिससे मस्तिष्क के कुछ हिस्सों में क्षति होती है। इससे शारीरिक और संज्ञानात्मक कार्यों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है, जैसे कि शरीर के कुछ हिस्सों में लकवा, याददाश्त में कमी, और बोलने में कठिनाई। पुनर्वास के दौरान, व्यायाम मस्तिष्क की न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे मस्तिष्क क्षतिग्रस्त कोशिकाओं के कार्यों को नए सिरे से संगठित कर सकता है। एचआईआईटी एक प्रकार का व्यायाम है जिसमें एक मिनट तक लगातार तीव्र शारीरिक गतिविधि की जाती है, उसके बाद थोड़े समय का आराम दिया जाता है। इसका उद्देश्य कम समय में अधिक शारीरिक क्षमता और सहनशक्ति का विकास करना है। स्थिर बाइक, ट्रेडमिल, बॉडीवेट एक्सरसाइज, केटलबेल और रस्सी कूदना इस प्रशिक्षण के सामान्य उदाहरण हैं। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, एचआईआईटी स्ट्रोक के बाद शरीर की एरोबिक फिटनेस में सुधार करने में पारंपरिक मध्यम व्यायाम की तुलना में अधिक प्रभावी पाया गया है। हालांकि एचआईआईटी के फायदे स्पष्ट हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह हर किसी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है। गंभीर हृदय रोग से पीड़ित या शारीरिक रूप से कमजोर रोगियों के लिए यह व्यायाम सुरक्षित नहीं हो सकता।

पुर्तगाल में जंगल की आग के बाद उठता हुआ धूआं।

अपने तीन प्यादों के लिए संवैधानिक संशोधन कर रही सरकार : इमरान

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आरोप लगाया कि सरकार फरवरी में हुए आम चुनावों में धांधली की जांच पर पर्दा डालने के लिए तीन शीर्ष अधिकारियों की सेवा अवधि बढ़ाने के लिए संवैधानिक संशोधन करने जा रही है। पूर्व पीएम खान, सुप्रीम कोर्ट से पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को जीत से वंचित करने के लिए चुनाव में हुई हेरफेर और नौ मई, 2023 को हुई हिंसा में उनकी पार्टी को फंसाने के लिए साजिश रचने के आरोपों की जांच की मांग कर रहे हैं। खबर के अनुसार, रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद खान ने दावा किया कि पिछले चुनावों में हार के बावजूद सरकार चुनाव परिणामों में हेरफेर पर अब अपने बचाव और सत्ता में बैठे अधिकारियों को बचाने के लिए इन संशोधनों का सहारा ले रही है। खान ने कहा, शाहबाज सरकार अपने तीन प्यादों के कार्यकाल को बढ़ाने के लिए संविधान में संशोधन कर रही हैं। पूर्व प्रधानमंत्री खान ने कहा कि उनका मतलब प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और मुख्य निर्वाचन आयुक्त सिकंदर सुल्तान रजा से था। खान ने चेतावनी दी कि अगर प्रधान न्यायधीश ईसा को हटाया जाता है, तब नौ मई को हुए विरोध प्रदर्शनों और चुनावों में कथित धांधली की जांच शुरू हो जाएगी। खान ने सरकार पर उनकी पार्टी को खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

नेतन्याहू को मारने का प्लान फेल... शिन बेट का दावा

-इजरायली व्यवसायी का इस्तेमाल कर रहा था ईरान

वाशिंगटन (एजेंसी)। तेल अवीव (ईएमएस)। इजरायल ने दावा किया है कि उसने ईरान की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। इजरायल की आतंरिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार एजेंसी शिन बेट ने कहा है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री योव गैलेंट और शिन बेट डायरेक्टर रोनेन बार की हत्या की ईरान की साजिश को नाकाम किया है। शिन बेट ने गुरुवार को ये बड़ा दावा किया है। इस साजिश में ईरान एक इजरायली व्यवसायी का इस्तेमाल कर रहा था, जिसने तुर्की में काफी समय बिताया था। वे इजरायल में हत्या की योजना बनाने के लिए तुर्की और ईरानी दोनों व्यक्तियों के साथ बैठकें और लेनदेन कर रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्लान को पूरा करने के लिए इस वर्ष अप्रैल में तुर्की के नागरिक आंद्रेई फारूक असलान और गुनीद असलान ने इजरायली कारोबारी से संपर्क कर ईजदी नाम के एक अमीर ईरानी के दो प्रतिनिधियों से मिलने के लिए तुर्की के शहर समंदाग में बुलाया। ये बैठक मई के महीने में हुई थी। वह इस पर सहमत हो गया कि तुर्की से कार के द्वारा ईरान में जाएगा, जहां उसकी मुलाकात ईदी और हज नाम के ईरानी सुरक्षा प्रतिष्ठान के सदस्य से हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइयली कारोबारी ने किसी भी गतिविधि को शुरू करने से पहले शुरू में दस लाख डॉलर मांगे थे।

इजरायली व्यवसायी ने इसके बाद अगस्त में दूसरी बार ईरान का दौरा कर साजिश को पूरा करने के लिए अपने वित्तीय, रसद और हथियार-संबंधी कार्यों की शुरुआत के हिस्से के रूप में 5,000 यूरो प्राप्त किए। अगस्त में ईरान की दूसरी यात्रा के दौरान इजराइली कारोबारी को फिर से तुर्की से ईरान में लाया गया। इजरायली व्यवसायी से निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के उद्देश्य से कुछ इजरायली साइटों के वीडियो लेने के लिए कहा गया था। ईरान की दूसरी यात्रा के दौरान इजरायली व्यवसायी से पूछा गया कि क्या वह रूसियों और अमेरिकियों को इस प्लान में शामिल कर सकेगा। इनका इस्तेमाल यूरोप और अमेरिका में रहने वाले ईरान विरोधी लोगों के खिलाफ किया जा सकेगा। शिन बेट ने कहा कि ऐसा लगाता है कि ईरान इस तरह की आतंकी गतिविधियों के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है, ये खतरा एक साजिश को उजागर करने से खत्म नहीं होगा। शिन बेट की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि क्या इन साजिशों के संबंध में ईरान और हिजबुल्लाह के बीच कोई समन्वय था या नहीं और कैसे इसकी रूपरेखा तैयार की गई थी। इस प्लान के समय के बारे में शिन बेट ने कोई जवाब नहीं दिया।

इजरायल के शीर्ष नेतृत्व की हत्या की साजिश को विफल करने का दावा करने वाली एजेंसी शिन बेट इजरायल की आतंरिक सुरक्षा मामलों की जिम्?मेदारी संभालने वाली इंटेलिजेंस एजेंसी है। इसका मुख्य काम आंतरिक सुरक्षा पर ध्यान देना है। ये खुफिया एजेंसी मोसाद की तरह ही है लेकिन देश के अंदर काम करती है, जबकि मोसाद इजराइयल के बाहर काम करती है।

एफबीआई का बड़ा खुलासा: ईरानी हैकर्स ने ट्रंप की सीक्रेट फाइल्स चुराकर बाइडेन की टीम को दी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी एफबीआई ने बयान में कहा है कि जुलाई महीने में बाइडेन के प्रचार अभियान टीम से जुड़े लोगों को एक अनचाहा ई-मेल मिला था, जिसमें ईरानी हैकर्स ने ट्रंप के अभियान से जुड़े गैर सार्वजनिक ऑनलाइन सामग्रियां भेजी थी। हालांकि बाइडेन की टीम ने उस ईमेल का जवाब नहीं दिया। अगस्त में, एजेंसी ने ईरान को इस हैक का जिम्मेदार ठहराया था और तेहरान पर 2024 के चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। हालांकि ईरान ने इन आरोपों से इनकार किया था।बयान में कहा गया है कि, नवंबर में चुनाव के दिन के करीब आने के साथ ही विदेशी ताकतें चुनाव प्रभावित करने वाली गतिविधियों को बढ़ा रहे हैं। रूस, ईरान और चीन पर विशेष रूप से यह आरोप लगाया गया है कि वे किसी न किसी तरह से अपने फायदे के लिए अमेरिकी समाज में विभाजन को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिकी एजेंसियों ने कहा कि ईरानी साइबर हमलावरों ने ट्रंप अभियान से चुराई गई जानकारी को अमेरिकी मीडिया संगठनों के साथ साझा करने का भी प्रयास किया था। हालांकि एजेंसी ने उन आउटलेट्स का नाम नहीं बताया। वहीं दूसरी तरफ अगस्त में ईरान ने आरोपों से इनकार किया था तथा संयुक्त राष्ट्र में उसके मिशन ने वाशिंगटन को सबूत जारी करने की चुनौती दी। उस समय ईरानी मिशन ने कहा था, ऐसे आरोप निराधार हैं और इनका कोई आधार नहीं है। जैसा कि हमने पहले घोषणा की है, इस्लामिक गणराज्य ईरान का अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने का न तो इरादा है और न ही मकसद है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर चल रही है। पिछली और दोनों के बीच हुई पहली डिबेट में हालांकि कमला हैरिस ने बाजी मार ली हो लेकिन, ट्रंप ने अभी अपनी हार नहीं स्वीकारी है। वो लगातार अमेरिका में नई सरकार बनाने का दावा पेश करते रहे हैं। अमेरिकी खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने कहा कि हैकरों ने राष्ट्रपति बाइडेन के अभियान से जुड़े व्यक्तियों को अनचाहे ईमेल भेजे थे, जिनमें पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के अभियान से चुराई गई गैर सार्वजनिक सामग्री के अंश थे। बता दें कि उस वक्त बाइडेन डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे, लेकिन जुलाई में उन्होंने बढ़े ही नाटकीय अंदाज में अपनी दावेदारी को समाप्त करने की घोषणा की और कमला हैरिस के नाम पर मुहर लगाई थी।

क्वाड ग्रुप पहले से कहीं ज्यादा एकजुट और प्रासंगिक हो गया : अमेरिका

वाशिंगटन। डेलावेयर में होने वाला आगामी क्वाड शिखर सम्मेलन यह बताएगा कि चार देशों का यह ग्रुप पहले से कहीं ज्यादा रणनीतिक रूप से एकजुट और प्रासंगिक हो गया है। यह बात अमेरिका के व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संचार निदेशक जॉन किर्बी ने कही। किर्बी ने कहा कि हमारा मानना ??है कि यह शिखर सम्मेलन क्वाड पहले से कहीं ज्यादा रणनीतिक रूप से एकजुट और प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब राष्ट्रपति जो बाइडन शनिवार को डेलावेयर के विलमिंगटन में क्वाड के अन्य सदस्य देशों ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान के नेताओं के साथ बातचीत करने वाले हैं। किर्बी ने बताया कि ऐसा पहली बार होगा जब अमेरिका के राष्ट्रपति अपने गृहनगर विलमिंगटन में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। उन्होंने कहा कि जो बाइडन भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी, जापानी पीएम फूमियो किशिदा और आस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीस से अलग-अलग मुलाकात करेंगे और बाद में एक पूर्ण अधिवेशन में चर्चा की जाएगी। किर्बी ने कहा कि पिछले तीन सालों से ज्यादा समय से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के गठबंधन सहयोगियों और साझेदारों को और मजबूत करने के उद्देश्य से वहां निवेश करना जो बाइडन की प्राथमिकता है।

पीएम मोदी से मिलने को बेकरार मोहम्मद यूनुस... भारत नहीं दे रहा भाव

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी है। बांग्लादेश और भारत के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। इस बीच बांग्लादेश के कार्यकारी सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की गुहार लगाई थी एक रिपोर्ट के अनुसार अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान पीएम मोदी की बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस से मिलने की उम्मीद नहीं है।

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश की ओर से महासभा के दौरान एक बैठक के लिए औपचारिक अनुरोध किया गया था। इसमें दोनों नेता भाग लेने वाले हैं। नाम न बताने की शर्त पर वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि यूनुस पीएम मोदी के साथ बैठक के मिलने के लिए उत्सुक थे। उन्हें उम्मीद थी कि इससे शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में उभरी परेशानियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

लेकिन सवाल है कि एक ओर यूनुस सरकार बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर बेखबर दिख रही हैं। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश शेख हसीना पर भारत को वार्निंग दे रहा है। इस सब के बाद भारत कैसे माने कि यूनुस भारत के साथ रिश्तों में सुधार चाहते हैं। अगर वह ऐसा चाहते हैं, तब उन्हें पहले कूटनीति के दांवपेंच सीखना होगा। हर चीज उनके हिसाब से नहीं हो सकती है। लोगों का कहना है कि ऐसी कोई बैठक भारतीय पक्ष के एजेंडे का हिस्सा नहीं है। यूनुस द्वारा एक इंटरव्यू में भारत-बांग्लादेश संबंधों पर की गई टिप्पणियां और ढाका में अंतरिम सरकार के सदस्यों द्वारा प्रतिदिन की जाने वाली टिप्पणियां भारत को बिल्कुल रास नहीं आई। इंटरव्यू में यूनुस ने भारत में निर्वासन के दौरान बांग्लादेश में विकास पर टिप्पणी करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की आलोचना की। अंतरिम सरकार के अन्य सदस्यों, जिनमें वास्तविक विदेश मंत्री तौहीद हुसैन भी शामिल हैं, ने हसीना के प्रत्यर्पण की संभावना को बार-बार उठाया है।

अमेरिका में राष्ट्रपति कोई भी बने, एलन मस्क की रहेगी बल्ले-बल्ले

वॉशिंगटन (एजेंसी)। टेस्ला, स्पेसएक्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क को नेताओं का नेता कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने एक छोटी सी झलक दिखाई है। जिसकी वजह से मस्क मस्क एक बार फिर अमेरिकी राजनीति के केंद्र में आ गए हैं। नवंबर में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों से पहले मस्क के व्यवहार को लेकर नई बहस छिड़ गई है। एक तरफ जहां मस्क ने खुले तौर पर रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन किया है, वहीं उनकी कंपनियों के कर्मचारी डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस को चंदा देने में सबसे आगे हैं। यह विरोधाभासी स्थिति कई सवाल खड़े कर रही है।

मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए ट्रम्प का समर्थन किया था, जिसमें ट्रम्प ने चुनाव जीतने पर मस्क को गवर्नमेंट एफिशिएंसी कमीशन का प्रमुख बनाने का वादा किया था। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब मस्क पर दक्षिणपंथी झुकाव के आरोप लगते रहे हैं। 2020 के चुनावों में मस्क ने जो बाइडेन का समर्थन किया था, लेकिन हाल ही में उन्होंने खुद को वामपंथी विचारधारा से दूर करते हुए ट्रम्प के साथ अपनी नजदीकियों का प्रदर्शन किया है।विशेषज्ञों का मानना है कि मस्क की कंपनियों के कई कर्मचारी कैलिफ़ोर्निया में रहते हैं, जो डेमोक्रेटिक पार्टी का गढ़ माना जाता है। यह संभव है कि मस्क के कर्मचारी अपनी व्यक्तिगत पसंद के आधार पर कमला हैरिस को समर्थन दे रहे हों। हालांकि, मस्क की व्यक्तिगत राजनीतिक मंशा और उनके कर्मचारियों के व्यवहार के बीच यह विरोधाभास चुनावी माहौल में एक चर्चा का विषय बना हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मस्क की कंपनियों के कर्मचारी डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के चुनावी अभियान को बड़े पैमाने पर आर्थिक योगदान दे रहे हैं। ओपनसीक्रेट्स लाबिंग और डोनेशन से जुड़े डेटा को इकट्ठा करने का काम करती है। इसके अनुसार, टेस्ला के कर्मचारियों ने हैरिस के राष्ट्रपति अभियान में 42,824 डॉलर का योगदान दिया, जबकि ट्रम्प के अभियान को केवल 24,840 डॉलर मिले। स्पेसएक्स के कर्मचारियों ने भी हैरिस को 34,526 डॉलर दिए, जबकि ट्रम्प को केवल 7,652 डॉलर ही मिले। इसी प्रकार, सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के कर्मचारियों ने हैरिस को 13,213 डॉलर का योगदान दिया, जबकि ट्रम्प को मात्र 500 डॉलर प्राप्त हुए।

पन्नू ने दर्ज कराया मुकदमा........अमेरिकी अदालत का भारत सरकार को सम्मन

टोरंटो। कनाडा के खालिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत सरकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मामले में अमेरिकी अदालत ने भारत सरकार को सम्मन भेजा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अन्य के खिलाफ एक अमेरिकी संघीय जिला अदालत में दीवानी मुकदमा दायर किया है। पन्नू की ओर से भारतीय अधिकारियों के खिलाफ कथित हत्या के प्रयास के लिए हर्जाने का दावा किया गया है। मुकदमे में खालिस्तान समर्थक आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की मौत में भारत की संलिप्तता का भी आरोप लगाया गया है।

अमेरिका हुआ नाराज....चीन को लुभाने सैन्य बेस के लिए जमीन देने को तैयार पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने हमेशा ही चीन और अमेरिका के साथ अपने संबंधों को बयान रखने की कोशिश की है। वहीं अमेरिका और चीन दोनों ही पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता का फायदा उठाकर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करते रहे हैं। एक रिपोर्ट में सीक्रेट दस्तावेजों के आधार पर दावा किया है कि पाकिस्तान ने चीन से ग्वादर में एक सैन्य बेस बनाने के लिए जगह देने का वादा किया था। ये तब हुआ था जब पाकिस्तान अमेरिका को लुभाने में कामयाब नहीं हो सका था। इसके अलावा बीजिंग की लंबे समय से चली आ रही पाकिस्तान के अंदर संयुक्त सैन्य अभियानों को अधिकृत करने की मांग पर भी इस्लामाबाद ने भरोसा दिया था।

रिपोर्ट कहती है कि अमेरिका के संबंधों की बेहतरी के प्रयास में 2022 के अक्टूबर में पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख कमर जावेद बाजवा वॉशिंगटन की आधिकारिक यात्रा पर गए थे। बाजवा वाशिंगटन को आश्वस्त करना चाहते थे कि पाकिस्तानी सेना अमेरिका की ओर देख रही है ना कि चीन या रूस की तरफ। अमेरिका में बाजवा ने वादा किया कि बीजिंग के मुकाबले अमेरिका को पाकिस्तानी सेना की प्राथमिकता पर जोर दिया जाएगा। पाकिस्तान की कोशिश अमेरिका का पहले जैसा समर्थन और विश्वास हासिल करने की थी, जिसमें पाकिस्तान को कामयाबी नहीं मिल पाई। अमेरिकी दांव के विफल होने के बाद पाकिस्तानी अधिकारी चीन के साथ संबंधों को सुधारने के अपने प्रयासों में तेजी लेकर आए। दस्तावेजों से पता चलता है कि चीन को लुभाने के लिए पाकिस्तान ने वादा किया कि ग्वादर के बंदरगाह पर सैन्य अड्डे के लिए बीजिंग मंजूरी दी जाएगी।

सीक्रेट डॉक्यूमेंट से पता चलाता हैं कि पाकिस्तान की सैन्य-समर्थित सरकार ने निजी तौर पर बीजिंग को ग्वादर के प्रमुख बंदरगाह में सैन्य अड्डा देने का वादा किया। ग्वादर चीन की बेल्ट-एंड-रोड पहल में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। पाकिस्तान से होने वाले गलियारे का अंतिम पड़ाव चीन की अर्थव्यवस्था को पश्चिम से जोड़ेगा और दक्षिण चीन सागर में शिपिंग पारगमन पर इस कम निर्भर बनाएगा। ग्वादर अरब सागर के तट पर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के मुहाने पर स्थित है। वहां एक सैन्य अड्डा चीन की अपने क्षेत्र से परे बल प्रक्षेपित करने की क्षमता को बदल देगा और उसे दक्षिण पूर्व एशिया में समुद्री ऊर्जा शिपिंग मार्गों पर निर्भरता से मुक्त कर देगा, जबकि बीजिंग के खिलाफ वाशिंगटन की रोकथाम की रणनीति को कमजोर करेगा।

राज्य व राज्यपाल में विवेकपूर्ण संतुलन जरूरी

हमारे संविधान में राज्यपाल के पद की व्यवस्था करके संविधान-निर्माताओं ने एक तरह से केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एक सेतु बनाया था। अपेक्षा की जाती है कि राज्यपाल केंद्र के प्रतिनिधि की तरह काम करेंगे और राज्य की स्थिति के बारे में केंद्र को अवगत भी कराते रहेंगे। राज्यपालों की व्यवस्था करते हुए यह अपेक्षा भी की गयी थी कि राज्यपाल राज्य सरकार के परामर्शदाता भी होंगे। इसके साथ ही यह भी मान कर चला गया था कि इस पद पर सुयोग्य और रोज़मर्रा की दलगत राजनीति से पृथक रहने वाले व्यक्तियों को नियुक्त किया जायेगा।

विश्वनाथ सचदेव

शेक्सपियर का एक चर्चित नाटक है मैक्बेथ। स्कॉटलैंड के राजा के दो जनरल उसके खिलाफ हैं। लेडी मैक्बेथ इनमें से एक की पत्नी है। ये लोग मिलकर राजा की हत्या का षड्यंत्र रचते हैं, पर मैक्बेथ हत्या के लिए साहस नहीं जुटा पा रहा। पत्नी उसकी मर्दानगी को चुनौती देती है, उसे कायर, नामर्द और न जाने क्या-क्या कहती है और अंततः मैक्बेथ अपने आप को प्रमाणित करने के लिए राजा की हत्या के लिए तैयार हो जाता है। लेकिन लेडी मैक्बेथ की आत्मा उसे धिक्कारती है और वह आत्महत्या कर लेती है। हाल ही में यह लेडी मैक्बेथ अचानक भारत के मीडिया में चर्चा का विषय बन गयी थी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने राज्य की मुख्यमंत्री की तुलना लेडी मैक्बेथ से की है। यह तो नहीं पता कि ऐसी तुलना करके वह क्या बताना-जताना चाहते थे, पर सवाल उठ रहे हैं कि कोई राज्यपाल इस तरह की बात कैसे कह सकता है। राज्यपाल और राज्य-सरकार के रिश्तों की खटास किसी से छिपी नहीं है। समय-समय पर सी.वी. आनंद बोस अपने राज्य की मुख्यमंत्री की आलोचना करते रहे हैं। अब एक युवा डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले में ममता बनर्जी की सरकार कटघरे में है। यह सही है कि ममता के विरोधी इस स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाना चाह रहे हैं, पर सही यह भी है कि इस निंदनीय प्रकरण में ममता बनर्जी बचाव की मुद्रा में हैं- विरोधी दल तो राज्य सरकार की आलोचना कर ही रहे हैं, राज्यपाल भी खुलकर पश्चिम बंगाल की सरकार की आलोचना में लगे हैं। उनका कहना है कि राज्य की सरकार अपना कर्तव्य निभाने में असफल रही है 'और राज्य की जनता की भावनाओं को नहीं समझ रही।' यहां तक तो बात फिर भी समझ में आती है, पर जब राज्यपाल यह कहते हैं कि 'ममता बनर्जी लेडी मैक्बेथ हैं और उनके साथ कोई मंच साझा नहीं करूंगा' तो मामला गंभीर बन जाता है। राज्यपाल ने अपने इस कदम को राज्य की जनता की भावनाओं के साथ खड़े होना बताया और कहा कि वे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का 'सामाजिक बहिष्कार' करेंगे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि उनकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता और आर.जी. कर अस्पताल की 'डॉ. अभया' के परिवार के प्रति है और वे विरोध प्रदर्शन कर रहे डाक्टरों के साथ हैं। उन्होंने यह भी कहना ज़रूरी समझा कि उनकी प्रतिबद्धता भारत के संविधान के प्रति है। पता नहीं राज्य के मुख्यमंत्री की तुलना लेडी मैक्बेथ से करके और राज्य सरकार को अपने कर्तव्य-पालन में असफल सिद्ध होना बताकर वे किस ओर इशारा कर रहे हैं। हमारे संविधान में राज्यपाल के पद की व्यवस्था करके संविधान-निर्माताओं ने एक तरह से केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एक सेतु बनाया था। अपेक्षा की जाती है कि राज्यपाल केंद्र के प्रतिनिधि की तरह काम करेंगे और राज्य की स्थिति के बारे में केंद्र को अवगत भी कराते रहेंगे। राज्यपालों की व्यवस्था करते हुए यह अपेक्षा भी की गयी थी कि राज्यपाल राज्य सरकार के परामर्शदाता भी होंगे। इसके साथ ही यह भी मान कर चला गया था कि इस पद पर सुयोग्य और रोज़मर्रा की दलगत राजनीति से पृथक रहने वाले व्यक्तियों को नियुक्त किया जायेगा। पिछले 75 सालों का अनुभव यह बताता है कि राज्यपालों की नियुक्ति में केंद्र में सत्तारूढ़ दल के हितों को ही देखा जाता है। अक्सर ऐसे लोगों को इस पद पर बिठाया गया है जो या तो उम्रदराज हो गये थे या जिन्हें केंद्र में सत्तारूढ़ पक्ष ने अपने हितों के लिये उचित समझा है। आज़ादी पाने के कुछ साल बाद तक तो परंपरा यह भी थी कि राज्यपाल की नियुक्ति के समय संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श भी कर लिया जाता था। तब राज्य सरकार और राज्यपाल में टकराव की स्थितियां भी कम आती थीं। लेकिन केंद्र और राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें बनने के बाद स्थिति बदल गयी। राज्यों में राज्यपाल को केंद्र सरकार के एजेंट के रूप में देखा जाने लगा और दुर्भाग्य से कुछ राज्यपालों का व्यवहार भी यह बताने लगा कि वे केंद्र सरकार के हितों को अधिक महत्व दे रहे हैं। कुछ राज्यपालों पर केंद्र सरकार के इशारों पर काम करने के आरोप भी लगे। कई बार ऐसी स्थितियां बन गयीं कि यह सवाल भी उठा कि राज्यपाल की आवश्यकता ही क्या है? निश्चित रूप से यह अच्छी स्थिति नहीं है। अब तो अक्सर ऐसे मामले सामने आ रहे हैं कि राज्यपाल के कुछ करने, या कुछ न करने का परिणाम राज्यों की जनता को भुगतना पड़ रहा है। ऐसे उदाहरण भी हैं जिनमें राज्य सरकारों द्वारा स्वीकृति के लिए भेजे गये विधेयकों या अन्य मामलों में राज्यपाल के कुछ न करने से काम रुका रह जाता है। बहरहाल, यह सब बातें अपनी जगह हैं, लेकिन देश को इस बारे में तो सोचना ही चाहिए कि राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच तनाव क्यों उत्पन्न हो और कैसे इस तनाव को कम किया जा सकता है, रोका जा सकता है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल जैसे सांविधानिक पदों पर बैठे लोगों से एक आदर्श व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। किसी मुद्दे पर मतभेद होने का मतलब किसी प्रकार की शत्रुता नहीं माना जाना चाहिए। आज पश्चिम बंगाल में जो कुछ हो रहा है, वह निश्चित रूप से चिंता का विषय है किसी भी राज्य में ऐसी स्थितियों का बनना अपने आप में दुखद घटनाक्रम का विषय भी है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को पूरा अधिकार है कि वे वहां उत्पन्न स्थितियों पर अपनी चिंता प्रकट करें। सच कहें तो यह उनका कर्तव्य भी है। इसी कर्तव्य का एक पक्ष यह भी है कि वह स्थितियों में सुधार के प्रयासों का हिस्सा बनें। लेकिन, जिस तरह राज्यपाल ने राज्य की निर्वाचित मुख्यमंत्री की तुलना लेडी मैक्बेथ से की है, वह अनुचित की परिभाषा में ही आती है। राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री का 'सामाजिक बहिष्कार' करने की घोषणा भी ग़लत संकेत ही देती है। हमारी सांविधानिक व्यवस्था के अनुसार राज्यपाल न तो राज्य में केंद्र का एजेंट है और न ही केंद्र सरकार का जासूस। उसकी भूमिका राज्य में शासन चलाने में सहयोग देने वाले की है। उससे यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह अपने विवेक और अनुभव का उपयोग करते हुए राज्य सरकार को सलाह देने का काम भी करेगा। कुल मिलाकर यह भूमिका एक सलाहकार की है। राज्य सरकार और राज्यपाल में एक विवेकपूर्ण संतुलन ही स्थिति को बेहतर बना सकता है। इसी संतुलन का तकाज़ा है कि राज्यपाल इस तरह के बयानों से बचें जैसा पश्चिम बंगाल के महामहिम ने लेडी मैक्बेथ का उदाहरण देकर प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री के सामाजिक बहिष्कार की बात कहना भी राज्यपाल की मर्यादा के अनुकूल नहीं लगता। इस तरह की स्थितियों का बनना सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जा सकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संपादकीय

एक साथ चुनाव

पूरे विचार-विमर्श के बाद केंद्रीय कैबिनेट ने एक देश-एक चुनाव का फैसला कर लिया। यह फैसला बहुत महत्वपूर्ण है और बहुत चौंकाता है। देश जब आजाद हुआ था, तब एक साथ सारे चुनाव हुए थे, पर बाद में राज्यों में राजनीतिक उठापटक की वजह से मध्यावधि चुनाव होने लगे और एक साथ चुनाव का क्रम टूट गया। अब बुधवार को कैबिनेट ने फैसला किया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव पूरे देश में एक साथ होंगे। लोग यह भूले नहीं हैं कि यह एनडीए सरकार का एक प्रिय विषय रहा है और इसके लिए सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय समिति गठित की थी। इस समिति ने विभिन्न पक्षों से पूरे विचार-विमर्श के बाद सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी, जिसे अब केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भी मंजूरी दे दी है। अब पहली नजर में आकलन करें, तो एक देश एक चुनाव के लिए यहां से जमीनी कवायद शुरू हो गई है। मगर क्या यह काम आसान है? क्या सभी दल और नेता इस फैसले को मान लेंगे? जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सत्ता है, वहां तो इस फैसले का खूब विरोध होगा। क्या चुनाव आयोग विरोध का सही उत्तर दे पाएगा? ध्यान देने की बात है कि पूर्व राष्ट्रपति द्वारा पेश की गई रिपोर्ट में एक साथ चुनाव कैसे कराया जाएगा, इसकी व्यापक रूपरेखा दी गई है। पहले लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव होंगे। उसके बाद 100 दिनों के अंदर हर जगह स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाएंगे। ऐसा कब होगा, यह तो तय नहीं है, पर इस फैसले को लागू करने के लिए बड़े पैमाने पर परिवर्तन करने पड़ेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि एक साथ चुनाव के लिए संविधान में कम से कम पांच या 18 छोटे-बड़े संशोधन करने पड़ेंगे। खैर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने ठान लिया है कि देश में चुनाव एक साथ ही कराए जाएंगे। वैसे तो एक देश-एक चुनाव का विषय पुराना है, मगर पहली बार कोई सरकार इस योजना के साथ इस मुकाम तक पहुंची है। प्रधानमंत्री ने एकाधिक बार इस बात को दोहराया है कि बार-बार चुनाव की वजह से देश के विकास में बाधा आती है। देश में लगभग हर चार-छह महीने पर कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं। आचार संहिता लागू रहती है। अतः यह कहना सही है कि एक साथ चुनाव होने पर देश को हर स्तर पर लाभ होगा। राजनीतिक सुविधा भी बढ़ेगी, आर्थिक विकास की रफ्तार बनी रहेगी और देश में सामान्य कामकाज भी बेहतर हो सकेगा। ध्यान रहे, एक साथ चुनाव भाजपा का चुनावी वादा भी है, पर यह देखना होगा कि विपक्षी दल इस फैसले को कैसे स्वीकार करते हैं। वैसे, कुछ ही फैसले या संशोधन ऐसे हैं, जहां विधानसभाओं से मंजूरी की जरूरत पड़ेगी। चूंकि फैसला बड़ा है, अतः किसी पर थोपने के बजाय सहमत करने पर ज्यादा जोर होना चाहिए। जो व्यावहारिक अड़चनें हैं, उन्हें दूर करना जरूरी है। शंकाओं का बाजार भी गर्म है। बीते लोकसभा चुनाव में सौ से भी ज्यादा दिन खर्च हुए हैं। सात चरणों में मतदान कराने में 44 दिन खर्च हुए हैं। चुनाव आयोग कितना सक्षम है? क्या वह लोकसभा चुनाव के साथ ही, तमाम विधानसभाओं के चुनाव करा पाएगा? कितने लोगों की सेवा लगेगी और कितने सुरक्षाकर्मियों का इंतजाम करना पड़ेगा? इतने बड़े पैमाने पर चुनाव आयोजित करने में आने वाली तमाम अड़चनों का क्या अनुमान लगा लिया गया है? चुनाव आयोग के साथ ही केंद्र सरकार को भी सभी राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर एक देश एक चुनाव को संभव बनाना चाहिए।

गुरुग्राम के जलग्राम बनने की वजह

डेढ़ दशक पहले तक एक नदी हुआ करती थी- साहबी या साबी नदी। जयपुर जिले के सेवर की पहाड़ियों से निकल कर कोटकासिमत होते हुए धारूहेड़ा के रास्ते। बहरोड़, तिजारा, पटौदी, झज्जर के रास्ते नजफगढ़ झील तक आती थी यह नदी। इस नदी का प्रवाह नए गुरुग्राम में घाटा, ग्वालपहाड़ी, बहरामपुर, मेरावास, नगली होते हुए बादशाहपुर तक था। कई जगह नदी का पाठ एक एकड़ तक था। आश्चर्य है कि इस नदी का गुरुग्राम की सीमा में कोई राजस्व रिकार्ड ही नहीं रहा। अभी 10 साल पहले हरियाणा विकास प्राधिकरण यानी हूडा ने नदी के जल ग्रहण क्षेत्र को आर जोन में घोषित कर दिया। इससे पहले यहां नदी के 'रीवर बेड' की जमीन कुछ किसानों के नाम लिखी थी।

प्राकृतिक निकासी पर कब्जे

पंकज चतुर्वेदी

बीते तीन साल में सौ करोड़ खर्च हो गए, लेकिन हर बारिश के साथ दुनिया में मशहूर औद्योगिक शहर गुरुग्राम की जलभराव की समस्या गहराती जा रही है। इस साल तो गुरुग्राम एक दर्जन बार शहर में पानी भरने के कारण बेहाल हो चुका है। मामला केवल गुरुग्राम का नहीं है; यहां काम करने के लिए आने-जाने वाले पूरे दिल्ली एनसीआर के लोग प्रभावित होते हैं। चौड़ी सड़कों, गगनचुंबी इमारतों और दमकती रोशनी के बावजूद, थोड़ी-सी बारिश के बाद पानी का ठहराव और जाम लाचारी की स्थिति पैदा कर देते हैं। हर बार कई घंटे के जाम के कारण गुरुग्राम को कई सौ करोड़ का घाटा उठाना पड़ता है। सबसे बड़ी बात, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का इस शहर के प्रति विश्वास डगमगाता जा रहा है, जो कि चिंता का विषय है। बीते एक दशक में गुरुग्राम में ढेर सारे फ्लाई ओवर, अंडर पास, चौड़ी सड़कें बनीं, लेकिन इंद्र की थोड़ी-सी कृपा इंजीनियरों के तकनीक कौशल पर कालिख पोत देता है। इसके ठीक विपरीत बूंद-बूंद पानी को तरसने वाले गुरुग्राम वासी बरसात की आशंका से ही कांप जाते हैं। इस साल जल भराव के कारण कोई ग्यारह बार गुरुग्राम में कई-कई किलोमीटर लंबा जाम लग चुका है। महकमे इसके निदान के लिए और अधिक निर्माण करने की सिफारिश करते हैं लेकिन इस समस्या के मूल में प्रकृति से छेड़छाड़ पर बात करने से बचते हैं। अचानक तेज और अप्रत्याशित बरसात हो जाना या फिर नाले-सीवर साफ न होना जैसे कारण तो देश के हर शहर को बरसात में लज्जित कर ही रहे हैं, लेकिन गुरुग्राम के डूबने का असल कारण तो यहां के कई नदी-नालों को गुम कर वहां कंक्रीट का जंगल खड़ा करना है। असल में इस जल जमाव व उससे उपजे जाम का कारण गुरुग्राम की बेशकीमती जमीन और उसको हड़पने के लोभ में कब्जाई गई वे जमीनें हैं जो असल में अधिकतम बरसात में भी पानी को अपने में समा कर नजफगढ़ झील तक ले जाने का प्राकृतिक रास्ता हुआ करती थीं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यमुना नदी के बाद सबसे बड़े जल क्षेत्र को हमने कुछ ही दशकों में सुखा दिया और उस पर सीमेंट के जंगल रोप दिए, फिर जो लोग बसे उनके घर व रोजगार के ठिकानों से निकला गंदा पानी भी इसमें ही जुड़ता गया। अब सरकार खुद कहती है कि वह झील या 'वाटर बॉडी' थोड़े ही है, वह तो महज बारिश आने पर जमा पानी का गड्ढा है। यह दर्दनाक कथा है कभी दिल्ली ही नहीं देश की सबसे बड़ी झील, जल-क्षेत्र और वेट लैंड की। नजफगढ़ झील को कब्जा कर सिकोड़ते हुए दिल्ली का विस्तार करने वाले यह भूल चुके थे कि अब जो उनकी बस्ती में पानी भर रहा है, असल में वह झील का अपना भंडार है न कि उनकी रजिस्ट्री करवाई जमीन।

डेढ़ दशक पहले तक एक नदी हुआ करती थी- साहबी या साबी नदी। जयपुर जिले के सेवर की पहाड़ियों से निकल कर कोटकासिमत होते हुए धारूहेड़ा के रास्ते। बहरोड़, तिजारा, पटौदी, झज्जर के रास्ते नजफगढ़ झील तक आती थी यह नदी। इस नदी का प्रवाह नए गुरुग्राम में घाटा, ग्वालपहाड़ी, बहरामपुर, मेरावास, नगली होते हुए बादशाहपुर तक था। कई जगह नदी का पाठ एक एकड़ तक था। आश्चर्य है कि इस नदी का गुरुग्राम की सीमा में कोई राजस्व रिकार्ड ही नहीं रहा। अभी 10 साल पहले हरियाणा विकास प्राधिकरण यानी हूडा ने नदी के जल ग्रहण क्षेत्र को आर जोन में घोषित कर दिया। इससे पहले यहां नदी के 'रीवर बेड' की जमीन कुछ किसानों के नाम लिखी थी। आर जोन में आते ही पचास लाख प्रति एकड़ की जमीन बिल्डरों की निगाह में आई और इसके दाम पंद्रह करोड़ एकड़ हो गये। जहां नदी थी, वहां सेक्टर 58 से लेकर सेक्टर 65 की कई कालोनियां व बहुमंजिला आवास तन गए। बरसात तो पहले भी होती थी और उसका पानी इस नदी के प्रवाह के साथ नजफगढ़ के विशाल जल-क्षेत्र में समा जाता था।

थोड़ी-सी बरसात में ही गुरुग्राम के पानी-पानी होने और और फिर सालभर बेपानी रहने का असल कारण केवल साबी नदी का लुप्त होना मात्र नहीं है, जमीन के लालच में कई महत्वपूर्ण नाले भी समाज गटक गया। डीएलएफ फेज तीन से सिकंदरपुर, सुचाराली से पालम विहार और बादशाहपुर से खाडसा होते हुए नजफगढ़ वाला नाला या साबी नदी का हिस्सा भी गुम हो गया। अब इन तीनों की ही जल-ग्रहण क्षमता कई हजार घन मीटर जल की थी। दिल्ली-गुरुग्राम अरावली पर्वतमाला के तले है और अभी सौ साल पहले तक इस पर्वतमाला पर गिरने वाली हर एक बूंद 'डाबर' में जमा होती थी। 'डाबर' यानी उत्तरी-पश्चिम दिल्ली का वह निचला इलाका जो कि पहाड़ों से घिरा था। इसमें कई अन्य झीलों व नदियों का पानी आकर भी जुड़ता था। इस झील का विस्तार एक हजार वर्ग किलोमीटर हुआ करता था जो आज गुरुग्राम के सेक्टर 107, 108 से लेकर दिल्ली के नए हवाई अड्डे के पास पप्पनकलां तक था। इसमें कई प्राकृतिक नहरें व सरिता थीं, जो दिल्ली की जमीन, आबोहवा और गले को तर रखती थीं।

आज दिल्ली के भूजल के प्रदूषण का सबसे बड़ा कारक बना नजफगढ़ नाला कभी जयपुर के जीतगढ़ से निकलकर अलवर, कोटपुतली, रेवाड़ी व रोहतक होते हुए नजफगढ़ झील व वहां से दिल्ली में यमुना से मिलने वाली साबी, साहिबी या रोहिणी नदी हुआ करती थी। इस नदी के जरिये नजफगढ़ झील का अतिरिक्त पानी यमुना में मिल जाया करता था। सन 1912 के आसपास दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में बाढ़ आई व अंग्रेजी हुकूमत ने नजफगढ़ नाले को गहराकर उससे पानी निकासी का जुगाड़ किया था। उस दौर में इसे नाला नहीं बल्कि 'नजफगढ़ लेक एस्केप' कहा करते थे।

इस संकट से जूझने के लिए प्रकृति की तरफ लौटना और कुदरत के प्रति अपनी गलतियों को सुधारना ही निदान होगा, न कि और निर्माण कर देना।

विचार मंथन

पत्रवार के इस दौर में कोई पिछड़ तो नहीं रहा

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

एक समय था जब पत्राचार कुशलक्षेम जानने से लेकर प्रेम और स्नेह को जतलाने के लिए किया जाता था। इससे पहले राजा-महाराजाओं के समय में संधी या युद्ध की धमकी के लिए पत्रों का अदान-प्रदान होता था। खास बात यह है कि तब पत्र जिसे लिखा जाता था वही पत्र का जवाब देता था, भले ही वह पढ़ा-लिखा हो या न हो। अब चूंकि दुनियां अत्याधुनिक दौर में प्रवेश कर चुकी है। अब कागज व कलम-दवात की जगह इंटरनेट के साथ ही कंम्प्यूटर, लेपटॉप व मोबाईल जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संदेशों का अदान-प्रदान ज्यादा होने लगा है। ऐसे में समय की बचत के साथ ही पत्र सही जगह पहुंचेगा या नहीं इसकी समस्या भी अब जाती रही है। बावजूद इसके राजनीतिक गलियारे में पत्रवार या पत्रों की सियासी जंग जारी है। इस पत्रवार में एक बात जरुर देखने को मिल रही है कि जिसे पत्र लिखा जाता है, वह जवाब दे या न दे, लेकिन दूसरे लोग उसके जवाब में लंबा-चौड़ा पत्र लिखकर सामने वाले को पस्त करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रख रहे हैं। यकीन नहीं आता तो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र के जवाब में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के पत्र को ही देख लें। वैसे भी भारतीय राजनीति उस दौर में है जहां भाषा और सुचिता का कोई मेल ही नहीं है। जिसके जो मर्जी आता है बोल देता है। इससे लोकतंत्र भी आहत होता है। ऐसी भाषा जो दूसरों को आहत करे, लोगों को मरने-मारने पर उतारु कर दे, इसका अहिंसावादी देश भारत में क्या काम हो सकता है? लेकिन ऐसी भाषा का इस्तेमाल सियासी गलियारे में खूब हो रहा है। जिसे रोकने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष और विपक्ष के शीर्ष नेतृत्व की है। इससे इंकार नहीं किया जा सकता, लेकिन देखने में आ रहा है कि इसे रोकना तो दूर बढ़ाने के प्रयास ज्यादा हो रहे हैं। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो पत्र लिखा उसमें उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को एनडीए नेताओं के द्वारा आतंकवादी कहे जाने पर आपत्ति दर्ज कराते हुए इस तरह के बयानों पर लगाम लगाए जाने की बात कही। पत्र में उन्होंने लिखा कि, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान एनडीए नेताओं द्वारा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ की गई असभ्य टिप्पणियों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं...। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अनुशासन और शिष्टाचार के जरिए ऐसे नेताओं पर लगाम लगाएं...ऐसे बयानों के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भारत की राजनीति को पतन की ओर जाने से रोका जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पत्र की भाषा को संयमित रखा। पर इससे क्या, क्योंकि उन नेताओं को बोलने का अवसर तो मिल ही गया, जो हर मुद्दे पर अपनी राय रख कर देश और दुनियां का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहते हैं, ताकि उनकी राजनीति किसी भी कीमत पर चमकती रहे। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के पत्र का जवाब प्रधानमंत्री ने फिलहाल तो नहीं दिया, लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक लंबा पत्र बतौर जवाब लिखा और सख्त लहजे में बतला दिया कि कांग्रेस और उसके नेता यथार्थ और सत्य से कोसों दूर हैं। पत्र के जवाब में सवाल करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने पूछा कि क्या आप राहुल गांधी की करतूत भूल गए? राहुल गांधी जाति जनगणना और आरक्षण के नाम पर भड़का रहे हैं। यही नहीं राहुल गांधी ने कई बार पीएम मोदी का अपमान किया। सोनिया गांधी ने तो पीएम को मौत का सौदागर कहा था। नड्डा ने पत्र में कहा है कि कांग्रेस ने कई बार पीएम का अपमान किया है। कांग्रेस ने देश को शर्मसार किया है।

बात इतनी सी है कि भूतपूर्व नेताओं और वर्तमान नेताओं को अपशब्द कहने से बचा जाना चाहिए, फिर चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष। पर सभी जानते हैं कि ऐसा करना मुमकिन नहीं है। दरअसल इस कलयुग की राजनीति रसातल की ओर जा रही है। जहां चुनाव जीतना मुख्य लक्ष्य है। इसके लिए तमाम लोकतांत्रिक मूल्य और लाज-शर्म ताक पर रख मैदान मार लेना ही वीरता की निशानी मानी जाती है। आज की राजनीति साम, दाम, दंड-भेद से आगे बढ़ चुकी है, जहां सब जायज है, बशर्ते जीत तय हो। ऐसे में पत्रवार होना कोई बड़ी बात तो नहीं है। बावजूद इसके कहना तो यही है कि पत्रवार नहीं बल्कि स्वस्थ पत्राचार होना चाहिए, जिससे देश की अन्य मूल-भूत और संकट पैदा करने वाली बड़ी समस्याओं का निदान निकल सके।

केमिकल्स से पके फलों की कैसे करें पहचान?

दूध और हरी सब्जियों के अलावा फल भी हमारी सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं। सेब, अनार, केला, संतरा और पपीता ऐसे फल हैं, जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। अगर आप सप्ताह में दो दिन किसी भी फल का सेवन करते हैं, तो आप बीमारियों से बचे रहने के साथ आपकी इम्युनिटी भी बढ़ती है लेकिन क्या आप जानते हैं कि नेचुरल तरीके से पके फल ही आपकी सेहत के लिए अच्छे होते हैं। केमिकल में पकाए हुए फल आपके लिए बहुत हानिकारक होते हैं। ऐसे में आपको पहचान होनी चाहिए कि जो फल आप खा रहे हैं, कहीं वे किसी केमिकल में तो नहीं पकाए गए हैं।

केमिकल्स से पके फलों की ऐसे करें पहचान

- केमिकल्स से पके फलों को पहचानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आपको उस फल पर हरे पैचेज देखने को मिलेंगे। जिस हिस्से पर केमिकल लगा होगा, वे पीला रहेगा बाकी बीच-बीच में हरा दिखाई देगा, जबकि प्राकृतिक रूप से पके हुए फल में हरे-पीले रंग के कोई पैचेज नहीं दिखाई देंगे।
- केमिकल से पकाए हुए आम को काटने पर वे अंदर से कहीं पर पीला तो कहीं पर सफेद रंग का नजर आएगा। जबकि पेड़ पर प्राकृतिक रूप से पका हुआ फल पूरी तरह पीला नजर आता है।
- केमिकल से पके हुए फल का छिलका ज्यादा पका हुआ होगा लेकिन अंदर से इसमें कच्चापन हो सकता है।
- केमिकलयुक्त फल खाने पर मुंह का स्वाद कसैला हो जाता है और मुंह में हल्की जलन भी होने लगती है। इसके अलावा कई बार ऐसे फल खाने के कुछ देर बाद पेट दर्द या उल्टी की समस्या या डायरिया की शिकायत भी हो सकती है।

रखें सावधानियां

- आपको बाजार से लाकर फल को और भी अच्छी तरह धो लेना चाहिए। फल खरीदकर लाने के तुरंत बाद उसे पानी से अच्छी तरह धो लें।
- खाने से पहले आम को गुनगुने पानी में कम से कम 5 मिनट के लिए भिगोकर जरूर रखें। उसके बाद उन्हें दोबारा दूसरे पानी से धोकर ही खाएं।

ड्योडरेंट-परफ्यूम को ऐसे सूंघने से काम करना बंद कर देगा दिल

मजे में जा सकती है जान

शरीर की पांच इंद्रियों में से एक सूंघने की शक्ति है। कुछ चीजों की गंध नाक और दिमाग को बहुत पसंद आती है। फूल, गीली मिट्टी से शुरू होकर यह ड्योडरेंट, परफ्यूम, पेंट, नेल पेंट रिमूवर, पेट्रोल, मिट्टी का तेल तक जा सकती है। मगर क्या आप जानते हैं कि ड्योडरेंट, परफ्यूम, जैसे केमिकल व गैस वाली चीजों को सूंघने से कार्डियक अरेस्ट पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक डॉनकेस्टर में रहने वाले 12 साल के लड़के को कथित तौर पर पसीना रोकने वाला ड्योडरेंट सूंघना भारी पड़ गया। वह सोशल मीडिया पर चल रहा ट्रेंड फॉलो कर रहा था, जिसमें ड्योडरेंट की कैन से पदार्थ सीधा सूंघना था। इंटरनेट पर चल रहे इस ट्रेंड को काफी फैन्सी नाम दिया गया है। इस ट्रेंडल को क्रोमिंग कहते हैं। इसमें ड्योडरेंट, हेयरस्प्रे, नेल पेंट रिमूवर, पेट्रोल आदि को सूंघना होता है। इस इंटरनेट स्लैंग का जन्म ऑस्ट्रेलिया में माना जाता है। जिसका शरीर पर खतरनाक असर हो सकता है और जान जा सकती है।

लड़के को आया कार्डियक अरेस्ट

रिपोर्ट में पीड़ित की मां ने बताया कि पदार्थ सूंघने के बाद उसे जमीन पर दौरे आ रहे थे। उसे तुरंत सीपीआर दिया गया और एंबुलेंस को बुलाया गया। अस्पताल में पहुंचकर और दौरे पड़े और कोमा की स्थिति में पहुंच गया। डॉक्टर अभी भी उसके इलाज में लगे हुए हैं।

क्रोमिंग कैसे करते हैं?

द रॉयल चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल मेलबर्न के मुताबिक क्रोमिंग का असली मतलब क्रोम-बेस्ड पेंट को सूंघना था। मगर समय के साथ यह बदल गया है और इसमें नशा करने के लिए खतरनाक चीजों का इस्तेमाल करना भी जुड़ गया है। इसमें लोग कपड़े पर पदार्थ डालकर या सीधा कंटेनर से उसे भारी मात्रा में सूंघते हैं।

इन चीजों से होती है क्रोमिंग

- पेट्रोल या मिट्टी का तेल या उससे बनी चीजें
- पेंट थिनर, स्प्रे पेंट, परमानेंट मार्कर
- नेल पोलिश रिमूवर
- हेयरस्प्रे, ड्योडरेंट, लाइटर फ्लूइड, आदि
- क्रोमिंग का खतरनाक असर
- क्रोमिंग का खतरनाक असर
- सिरदर्द, चक्कर आना
- धड़कन तेज होना, टैकिडाइस्रिदमिया
- दौरे पड़ना
- डिस्पोनिया
- डिमेंशिया, एटेक्सिया
- कार्डियक अरेस्ट, आदि

कैसे पड़ता है कार्डियक अरेस्ट का अटैक

कार्डियक अरेस्ट दिल से जुड़ा अटैक है। इसमें दिल अचानक से धड़कना बंद कर देता है। इसकी वजह से दिमाग को ताजा और ऑक्सीजन से भरपूर खून नहीं मिला पाता और बेहोशी या मौत हो सकती है। इस स्थिति में मरीज को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए।

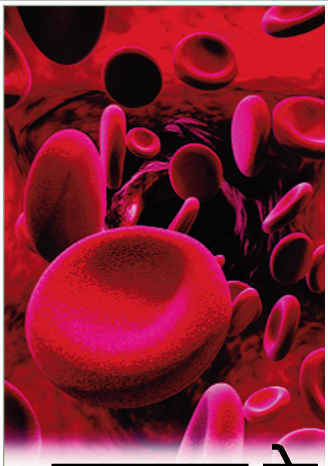

खानपान के माध्यम से आसानी से बढ़ाएं प्लेटलेट्स

एक स्वस्थ शरीर की निशानी है शरीर में प्लेटलेट्स की सही मात्रा होना एवं उनका सही तरीके से काम करना। लेकिन प्लेटलेट्स की कमी होने का नुकसान आपके शरीर एवं स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता है। अपने खानपान के माध्यम से आप आसानी से प्लेटलेट्स की संख्या में इजाफा कर सकते हैं।

- प्रोटीन, विटामिन ए, सी, के, फोलेट, जिंक, फोलिक एसिड, सेलेनियम आदि पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेना, प्लेटलेट्स में वृद्धि करने में कारगर उपाय साबित होगा।
- अपनी डाइट में दही, आंवला, लहसुन, ग्रीन टी के साथ ही नारियल पानी और अनार, पपीता, सेब, चुकंदर जैसे फलों को भी शामिल करें साथ ही पपीते के पत्तों का रस पीना भी एक लाभप्रद उपाय है।
- रोजाना एलोवेरा का सेवन भी इसके लिए फायदेमंद है। 20 से 25 ग्राम की मात्रा में प्रतिदिन एलोवेरा का गुदा खाएं या फिर इसका जूस बनाकर पिएं।
- व्हीटग्रास यानि ज्वारों का उपयोग भी प्लेटलेट्स को बढ़ाने में काफी मददगार है। रोजाना सुबह खाली पेट ज्वारे का रस निकालकर पीने से धीरे-धरे प्लेटलेट्स की संख्या में इजॉफा होगा।
- गिलोय का प्रयोग भी इसके लिए एक रामबाण उपाय है। गिलोय को तुलसी के साथ मिलाकर दोनों को अच्छी तरह उबालें और काढ़ा तैयार करें। इस काढ़े का रोजाना प्रयोग लाभदायक होगा।

आम तौर पर खून की कमी को एनीमिया के रूप में देखा जाता है। आयरन की कमी होना भी इसका एक प्रमुख कारण है। छोटे बच्चों, महिला खिलाड़ियों, सर्जरी या एक्सीडेंट के मरीजों में एनीमिया का खतरा अधिक होता है। वहीं महिलाओं में माहवारी के दौरान होने वाले रक्तस्त्राव एवं गर्भावस्था के कारण यह समस्या हो सकती है।

रक्ताल्पता से बचने के आसान टिप्स

- एनीमिया की समस्या से बचने के लिए, रेड मीट, सी-फूड और अंडा फायदेमंद होता है। लेकिन अगर आप शाकाहारी हैं, तो सोयाबीन, मटर, सूखे मेवे और एप्रिकॉट आपके लिए बेहतर विकल्प है।
- ताजी हरी सब्जियों के साथ मक्का और अलग-अलग तरह की दालों को अपने भोजन में शामिल करें। इससे शरीर में आयरन की कमी नहीं होगी, जो एनीमिया का प्रमुख कारण है।
- नाश्ते और खाने में फलों को शामिल करें। इनमें मौजूद विटामिन-सी, शरीर में आयरन को सोखने में एवं उसकी क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है।
- चाय या कॉफी को ज्यादा कड़क करके न पिएं, इससे शरीर को आयरन को सोखने में कठिनाई होती है ।
- बगैर डॉक्टर की सलाह के, आयरन की गोलियों का सेवन बिल्कुल न करें। खून की जांच और डॉक्टर की सलाह लेने के बाद ही इनका सेवन करें, क्योंकि शरीर में आयरन की अधिकता आपके लिए मुसीबत बन सकता है।

स्किन एलर्जी से परेशान लोग

अपनाएं ये घरेलू उपाय

घरेलू उपचार हमेशा से ही भारतीय घरों का हिस्सा रहे हैं। यदि पेट में दर्द हो या फिर कहीं चोट-खरोंच लग गई हो, घर वाले डॉक्टर के जाने से पहले घरेलू नुस्खे आजमाने की नसीहत देंगे। इन घरेलू उपचारों में काफी दम होता है, इसलिए यह स्किन में होने वाली छोटी-मोटी एलर्जी को भी ठीक कर सकते हैं। स्किन एलर्जी आज-कल हर किसी के लिए समस्या बनी हुई है। कभी किसी खाने के चलते तो कभी किसी क्रीम या कॉस्मेटिक के चलते स्किन पर रैशेज, पिंपल और खुजली की समस्या होने लगती है, जो कई बार चेहरे और शरीर पर कई तरह के निशान भी छोड़ जाती है। स्किन एलर्जी फूड एलर्जी से काफी अलग होती है और काफी परेशान भी करती है। स्किन एलर्जी में कई बार शरीर में दाने, या फिर हल्के लाल धब्बे आने लगते हैं। स्किन एलर्जी खासकर तब होती है, जब कोई इरिटेंट या फिर एलर्जी आपकी त्वचा के संपर्क में आती है और आपका इम्यून सिस्टम उन्हें रोकने के लिए एंटीबॉडी रिलीज करती है। कई बार यह एलर्जी सामान्य तो कभी गंभीर हो सकती है। अगर आप भी त्वचा की एलर्जी के लक्षण खुद में नजर आ रहे हैं, तो तुरंत राहत पाने के लिए आप इन घरेलू उपायों को अपना सकते हैं-

नारियल का तेल

नारियल का तेल स्किनकेयर के लिए सबसे बेहतरीन तेल है। इसमें मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं जो एलर्जी होने की स्थिति में यह त्वचा को सुरक्षित करता है। यही नहीं, नारियल का तेल एलर्जी के कारण होने वाली खुजली को भी कम करता है।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में थोड़ा सा नारियल तेल लें और इसे 5 सेकेंड के लिए थोड़ा गर्म करें। फिर इस गर्म तेल को उस जगह पर लगाएं, जहां आपको एलर्जी के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। याद रहे इसे एलर्जी वाले जगह पर लगाकर छोड़ दें, मालिश न करें। इसे एक घंटे के लिए छोड़ दें। आप नारियल तेल का इस्तेमाल 3-4 घंटों के बाद फिर कर सकते हैं। इससे स्किन एलर्जी से छुटकारा मिलेगा।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर को सामान्य तौर पर लोग वजन कम करने और पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए करते हैं। लेकिन, यह सिर्फ वजन कम करने या डायजेशन को ठीक करने में ही नहीं, बल्कि शानदार स्किनकेयर एजेंट भी है। इसमें एसिटिक एसिड होता है जो त्वचा में होने वाली खुजली और एलर्जी के प्रभाव को कम ककरात है। हालांकि, सेंसेटिव स्किन पर इसके इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कप गर्म पानी में एक टेबलस्पून एप्पल साइडर विनेगर मिलाएं। अब कॉटन की हेल्प से इस मिश्रण को इफेक्टिव एरिया में लगाएं। अब इसे सूखा होने के लिए छोड़ दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। स्किन एलर्जी से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम दो बार ऐसा कर सकते हैं।

आंखों में ताजगी भरकर शरीर को बनाएं एनर्जेटिक

लंबे समय तक काम करने, मोबाइल पर व्यस्त रहने या टीवी देखने के कारण भी आंखों में थकान हो जाती है। इस कारण पूरे चेहरे का नूर गायब हो जाता है। साथ ही आप मानसिक रूप से भी थका हुआ अनुभव करने लगते हैं। यहां बताए गए तरीकों से आंखों में ताजगी भरकर आप पूरे शरीर को एनर्जेटिक बना सकते हैं.

आपके शरीर पर थकान का सबसे पहला असर आपकी आंखों पर दिखता है। आंखें इतनी अधिक संवेदनशील होती हैं कि आप शारीरिक और मानसिक तौर पर कैसा अनुभव कर रहे हैं, इसकी साफ-साफ झलक आपकी आंखों में देखी जा सकती है। थकान होने पर आंखों के चारों तरफ काले घेरे अधिक डार्क हो जाते हैं और आंखों की चमक फीकी पड़ जाती है। यहां जानें इस स्थिति में किस तरह आंखों में तुरंत चमक बढ़ाई जा सकती है और थकान को दूर किया जा सकता है.

आंखों की थकान दूर करने का सबसे आसान तरीका

- बोझिल आंखों में नई जान फूंककर फिर से चमक बढ़ानी है तो अपने दोनों हाथों की हथेलियों को आपस में रगड़ें।
- थेली रगड़ने की शुरुआत धीमी गति से करें और फिर धीरे-धीरे स्पीड बढ़ा दें। जब हथेलियां पूरी तरह गर्माहट देने लगें तो धीमी गति के साथ ही इन्हें रगड़ना बंद करें और अपनी आंखों पर 30 सेकंड्स के लिए रख लें।
- एक समय पर आप दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं आपको बहुत अधिक लाभ मिलेगा। क्योंकि हथेलियों को रगड़ने से एक्युप्रेशर पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है।
- हथेलियों की गर्माहट से आंखों का तनाव कम होता है और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से स्फूर्ति आती है।

आंखों की थकान दूर करने का तरीका

आंखों को ठंडे पानी से धोएं

- आंखों की थकान दूर करने का दूसरा आसान तरीका है कि आप अपनी आंखों को ठंडे पानी से धुलें। इसके लिए फ्रिज का पानी और सामान्य पानी को आधा-आधा मिला लें। अब इस पानी से आंखों पर छींटे दें। आपको तुरंत ताजगी का अनुभव होगा।

ठंडे दूध का उपयोग

- फ्रिज में रखे हुए दूध को दो चम्मच निकाल लें। अब इस दूध में रुई को भिगोकर दोनों आंखों पर रख लें। करीब 3 से 4 मिनट के लिए रूई को आंखों पर रखने के बाद इसे हटा दें और आखों को ताजे पानी से साफ कर लें। आप एक नई ऊर्जा का संचार अपने अंदर अनुभव करेंगे।

बर्फ से सेक करें

- आंखों के नीचे की सूजन कम करने, डार्क सर्कल का असर हटाने और थकान मिटाने के लिए आप आइस क्यूब्स का उपयोग करें।
- फ्रिज से आइसक्यूब निकालें उसे हल्का-सा धुल लें। इसके बाद कॉटन के साफ रुमाल में लपेटकर आंखों की सिकाई करें। बस 2 से 3 मिनट की सिकाई काफी है और आपकी आंखों में ताजगी नजर आएगी।

टीसीएस और मेकडोनल्ड की हिस्सेदारी से शेयरों में आई तेजी

मुंबई ।

देश की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने फिलीपींस में मैकडॉनल्ड्स के मास्टर फ्रैंचाइजी होल्डर गोल्डन आर्चेस डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (जीएडीसी) के साथ एक महत्वपूर्ण दो साल का अनुबंध किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य फिलीपींस में 760 से अधिक मैकडॉनल्ड्स रेस्तरां के आईटी ऑपरेशंस को डिजिटाइज करना और उनका डिजिटल ट्रांजिशन सरल बनाना है। हालांकि इस सौदे की वित्तीय शर्तों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस घोषणा के बाद शुरुआती कारोबार में टीसीएस के शेयरों में 1.27 फीसदी की तेजी आई और कंपनी का शेयर गुरुवार को बीएसई पर 4402 रुपए पर कारोबार कर रहा था। फिलीपींस में गोल्डन आर्चेस डेवलपमेंट कॉरपोरेशन जिसे जॉर्ज यांग के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है, मैकडॉनल्ड्स रेस्तरां की मास्टर फ्रैंचाइजी होल्डर है। टीसीएस ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग के माध्यम से इस साझेदारी की जानकारी दी। यह एशिया प्रशांत क्षेत्र में फास्ट-फूड इंडस्ट्री में टीसीएस की पहली बड़ी साझेदारी है। इस डील के तहत टीसीएस फिलीपींस में 760 से अधिक मैकडॉनल्ड्स रेस्तरां के मौजूदा आईटी सिस्टम को अपग्रेड करने और उन्हें क्लाउड पर शिफ्ट करने का काम करेगी। इसके परिणामस्वरूप कंपनी की कार्यकुशलता में सुधार होगा।

नजारा टेक तरजीही निर्गम से जुटाएगी 900 करोड़

नई दिल्ली । ऑनलाइन गेमिंग एवं स्पोर्ट मीडिया कंपनी नजारा टेक्नोलॉजीज ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 900 करोड़ रुपये जुटाने के लिए एक तरजीही शेयर निर्गम को मंजूरी दी है। इसके साथ ही नजारा टेक ने एब्सोल्यूट स्पोर्ट्स में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 91 प्रतिशत करने की भी घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा कि नई पूंजी उसके रणनीतिक अधिग्रहण और कारोबार विस्तार को बढ़ावा देगी और वृद्धि के नए अवसर लेकर आएगी। नजारा टेक ने कहा कि 900 करोड़ रुपये के तरजीही इक्विटी निर्गम को एसबीआई म्यूचुअल फंड, जूनोमोनेटा फिनसोल, थिंक इन्वेस्टमेंट्स और डिस्कवरी इन्वेस्टमेंट्स जैसे प्रमुख निवेशकों के पास रखा जाएगा। इस बीच नजारा टेक ने स्पोर्ट्सकीड़ा मंच की मूल कंपनी एब्सोल्यूट स्पोर्ट्स में 19.35 प्रतिशत की अतिरिक्त हिस्सेदारी 145.5 करोड़ रुपये में हासिल की है। अब उसकी एब्सोल्यूट स्पोर्ट्स में 91 प्रतिशत हिस्सेदारी हो गई है।

साल का सबसे बड़ा आईपीओ लाएगी एनटीपीसी

मुंबई । सार्वजनिक बिजली कंपनी एनटीपीसी इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की योजना बना रही है। इसके लिए उसने सेबी के पास ड्राफ्ट दाखिल कर लिया है। कंपनी का कहना है कि उसकी सब्सिडियरी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का आईपीओ में केवल नए शेयर जारी किए जाएंगे। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के आईपीओ में केवल नए शेयर जारी किए जाएंगे। इस कंपनी के ग्रीन एनर्जी पोर्टफोलियो में छह से अधिक राज्यों में मौजूदगी के साथ सौर और पवन ऊर्जा एसेट्स शामिल हैं। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की परिचालन क्षमता 31 अगस्त तक 4,071 मेगावॉट थी। इसमें 3,071 मेगावॉट सोलर और 100 मेगावॉट विंड प्रोजेक्ट शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि इस आईपीओ से होने वाली इनकम में से 7,500 करोड़ का उपयोग एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी का कर्ज कम करने और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

पूर्वा ग्रीन पावर ने इकोरेन एनर्जी इंडिया से किया समझौता

नई दिल्ली । सीईएससी की शाखा पूर्वा ग्रीन पावर प्राइवेट लिमिटेड ने 686.85 मेगावाट तक की पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए इकोरेन एनर्जी इंडिया के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सीईएससी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इकोरेन एनर्जी इंडिया न तो संबंधित पक्ष है और न ही इसके प्रवर्तक या प्रवर्तक समूह का हिस्सा है। कंपनी सूचना के अनुसार उसकी अनुषंगी कंपनी पूर्वा ग्रीन पावर ने 686.85 मेगावाट तक की पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए इकोरेन एनर्जी इंडिया के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने कहा कि परियोजना तीन वर्षों के भीतर पूरी हो जाएगी। हालांकि इसके लिए विभिन्न प्राधिकरणों से संबंधित लाइसेंस, परमिट और अनुमोदन मिलना जरूरी है।

रात 10 बजे के बाद बदल जाएगा टीनएजर्स का इंस्टाग्राम अकाउंट!

नई दिल्ली । दुनियाभर में करोड़ों लोग इंस्टाग्राम का उपयोग करते हैं। वाटसएप की तरह इंस्टाग्राम भी अपने यूजर्स को बेहतर सुविधा देने के लिए प्रयास करता रहता है और नए-नए फीचर अपडेट करता है लेकिन आज के समय में छोटे बच्चे से लेकर बड़ों तक सभी इसे यूज करते हैं। इससे कई क्राइम भी हो रहे हैं। इसी कड़ी में इंस्टाग्राम ने टीनएजर्स की सुरक्षा देखते हुए नया ऐलान किया है। अब उन्हें इंस्टाग्राम टीन एकाउंट मिलेगा। इंस्टाग्राम टीन एकाउंट में यूजर्स की प्राइवेसी और सेफ्टी का काफी ध्यान रखा गया है। इसमें यूजर्स का अकाउंट बाय डिफॉल्ट प्राइवेट हो जाएगा। इसके अलावा रात 10 बजे के बाद से कोई अलर्ट नोटिफिकेशन नहीं आएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इसकी मदद से नाबालिग को ऑनलाइन दुनिया की वजह से होने वाले नुकसान से बचाना चाहता है।

पीएनबी ने एमटीएनएल के ऋण खातों को एनपीए घोषित किया

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) ने कहा कि ब्याज और किस्त का भुगतान न करने के कारण पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ उसके ऋण खाते को इस महीने गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित कर दिया गया है। एमटीएनएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस संबंध में पीएनबी का 13 सितंबर, 2024 का पत्र संलग्न है, जिसके अनुसार विभिन्न खातों में बकाया राशि लगभग 441 करोड़ रुपये है, जबकि 46 करोड़ रुपये से अधिक पिछला बकाया है। एमटीएनएल ने कहा कि ब्याज और किस्त का भुगतान न करने के कारण एमटीएनएल के कर्ज खातों को एनपीए घोषित कर दिया गया है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 21.48 फीसदी बढ़कर 12 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष में 17 सितंबर तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 21.48 प्रतिशत बढ़कर 12.01 लाख करोड़ रुपये हो गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार अधिक रिफंड के बावजूद प्रत्यक्ष कर संग्रह 17 सितंबर तक 16.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 9.96 लाख करोड़ रुपये रहा है। आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में 17 सितंबर तक 2,05,307 करोड़ रुपये का रिफंड हुआ है। जो कि साल दर साल के हिसाब से 56.49 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि के दौरान 1,31,196 करोड़ रुपये का रिफंड हुआ था। व्यक्तिगत आयकर संग्रह 17 सितंबर 2024 तक 6,14,459 करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल इसी दौरान 5,00,822 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर संग्रह हुआ था। इस तरह इसमें 22.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 17 सितंबर 2024 तक 99,230 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर रिफंड रहा है। सालाना आधार पर इसमें 46.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह से 17 सितंबर 2024 के दौरान कॉरपोरेट आयकर संग्रह 5,58,616 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष के 4,72,904 करोड़ रुपये की तुलना में 18.12 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में 1,06,053 करोड़ रुपये का कॉरपोरेट आयकर रिफंड रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 63,538 करोड़ रुपये के रिफंड की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

फेड के ब्याज दरों में कटौती से आया उत्साह

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व (फेड) द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की घोषणा से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 236.57 अंक करीब 0.29 फीसदी ऊपर आकर 83,184.80 के उच्च स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 38.25 अंक तकरीबन 0.15 फीसदी बढ़कर 25,415.80 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 19 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एनटीपीसी कोटक बैंक, टाइटन, नेस्ले इंडिया और सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं मारुति, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, रिलायंस, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, बजाज फिनसर्व और इंफोसिस के शेयर भी उछले।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 11 शेयरों में गिरावट रही। इनमें अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, टीसीएस, जेएसडब्ल्यू स्टील और एचसीएल टेक जैसे शेयर रहे। इसके अलावा, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनैंस, एमएंडएम, एसबीआई और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी गिरे।

एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में तेजी आई। वहीं दोपहर के कारोबार में, यूरोपीय बाजार उछले। गत दिवस अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी बाजार खुलते ही नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गये। यह तेजी एशिया-पैसिफिक बाजारों और वॉल स्ट्रीट फ्यूचर्स में उछाल के बाद आई, क्योंकि जेरोम पॉवेल की अगुवाई वाले अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार शाम को 50 बेसिस पॉइंट की दर में कटौती की घोषणा की थी।

बाजार खुलते समय सेंसेक्स 441 अंकों की बढ़त के साथ 83,389 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। हालांकि, कुछ देर बाद ही सेंसेक्स 782 अंकों के उछाल के साथ 83,730 के लेवल पर आ गया। वहीं निफ्टी 50 165 अंकों की बढ़त के साथ 25,542 पर दिखा और थोड़ी देर बाद ही यह 224 अंक बढ़कर 25,602 के स्तर पर आ गया। सभी सेक्टर्स में तेजी देखी गई, जिसमें आईटी इंडेक्स 1.55 फीसदी और रियल्टी इंडेक्स 1.10 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे आगे रहे।

भारत 2019 में ब्रिटेन को पछाड़ते हुए 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया: पुरी

ह्यूस्टन ।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2019 में ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए वह पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूत डी.सी. मंजूनाथ द्वारा हाल ही में यहां इंडिया हाउस में आयोजित सामुदायिक स्वागत समारोह में पुरी ने वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र, खासकर हरित हाइड्रोजन और एयरोस्पेस (वांतरिक्ष) में ह्यूस्टन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने अमेरिका-भारत रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी को दोनों देशों के बीच भविष्य के सहयोग की आधारशिला बताया। पुरी ने हाल के चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दल की राजनीतिक सफलताओं को रेखांकित किया और कहा कि मोदी के शासन में 2014 में 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर देश 2019 तक ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। मंत्री ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी शहरी विकास पहलों की ओर इशारा करते हुए कहा कि देश ने 2017 से 2024 तक शहरी योजनाओं के लिए 25 अरब अमेरिकी डॉलर (1.57 लाख करोड़ रुपये) खर्च करने की प्रतिबद्धता जतायी है। पुरी ने ऊर्जा नवाचार के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में ह्यूस्टन की सराहना की और कहा कि 2019 में 'हाउडी मोदी' जैसे कार्यक्रमों ने भारतीय-अमेरिकी संबंधों की ताकत को दर्शाया है। मंत्री

ने विभिन्न क्षेत्रों, खासकर चिकित्सा तथा इंजीनियरिंग में भारतीय प्रवासियों के योगदान की सराहना की तथा विदेश में रहते हुए भी सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने के महत्व पर बल दिया।

कच्चा तेल टूटा, पेट्रोल-डीजल की कीमतें हुई प्रभावित

नई दिल्ली । अमेरिका ने चार साल के बाद ब्याज दरों में बड़ी कटौती की है, इससे वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें फिर गिर गई हैं। क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर स्थिर है। हालांकि, भारत में क्रूड की कीमतों में उतार-चढ़ाव का पेट्रोल-डीजल के दामों पर असर देखने को नहीं मिल रहा है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल के भाव अपडेट कर दिए हैं। देश के चारों महानगरों में से सिर्फ चेन्नई में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं अन्य राज्यों में भी पेट्रोल-डीजल के दाम घटे-बढ़े हैं। अरुणाचल प्रदेश, गोवा, केरल और एमपी समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल के भाव बढ़ गए हैं। उधर पंजाब, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कुछ प्रदेशों में कीमतें कम हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.85 रुपये और डीजल 92.43 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

देश में जस्ता की खपत अगले 10 वर्षों में 20 लाख टन बढ़ने का अनुमान

उदयपुर।

अंतरराष्ट्रीय जस्ता संघ (आईजेडए) ने गुरुवार को कहा कि भारत की जस्ता की खपत अगले 10 वर्षों में मौजूदा 11 लाख टन से बढ़कर 20 लाख टन से अधिक होने का अनुमान है। हाल ही में जिंक कॉलेज 2024 कार्यक्रम के दौरान आईजेडए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत में जस्ता की खपत व मांग 11 लाख टन है, जो भारत में वर्तमान उत्पादन से अधिक है। अगले 10 वर्षों में इसके 20 लाख टन से अधिक पहुंचने की संभावना है। यह एक अनुमान है। जिंक कॉलेज का आयोजन हर दो साल में अंतरराष्ट्रीय जस्ता संघ (आईजेडए) द्वारा सदस्य कंपनी के साथ साझेदारी में किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक उत्पादन के मामले में वैश्विक जस्ता बाजार करीब 1.35 करोड़ टन प्रति वर्ष है। एक बड़ा अंतर यह है कि अगर जस्ता के प्रति व्यक्ति उपयोग की बात करें तो वैश्विक औसत पर यह भारत में होने वाले उपयोग से करीब चार से पांच गुना अधिक है। उन्होंने बताया कि ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए जस्ता के उपयोग को बढ़ाने की जरूरत है। वैश्विक स्वचालन क्षेत्र में करीब 90 से 95 प्रतिशत गैल्वेनाइज्ड स्टील का इस्तेमाल किया जाता है। भारत में इस क्षेत्र में इस्पात को जंग से बचाने वाला जस्ता केवल 23 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि हम भारत में स्वचालन बाजार में गैल्वेनाइज्ड स्टील के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं, ताकि इसे विश्व के अन्य हिस्सों के बराबर लाया जा सके। उन्होंने कहा कि आईजेडए भारत में गैल्वेनाइज्ड रीबार के लिए मानक स्थापित करने पर भी काम कर रहा है।

ओडिशा सरकार ने 39,271 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को दी मंजूरी

भुवनेश्वर ।

ओडिशा सरकार ने 39,271 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में 17,098 लोगों को नौकरियों के मिलने की संभावना बढ़ गई है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में हाल ही में हुई उच्च स्तरीय मंजूरी प्राधिकरण (एचएलसीए) की बैठक में निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। एचएलसीए ने 12 प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दी है। स्वीकृत परियोजनाओं में इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन व विनिर्माण (ईएसडीएम), इस्पात, मेटल डाउनस्ट्रीम, रसायन, सीमेंट, ग्रीन अमोनिया और रबर/प्लास्टिक शामिल हैं। ये परियोजनाएं आठ जिलों खुर्दा, ढेंकनाल, जगतसिंहपुर, कटक, संबलपुर, गंजम, बालासोर और क्योंझर में स्थापित की जाएंगी। मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि नई सरकार के तहत यह हमारी पहली एचएलसीए बैठक है। हमारी सरकार ओडिशा में औद्योगिक विकास व आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने वाले माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य ओडिशा को भारत में एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। हमारा लक्ष्य अगले पांच वर्षों में विविध क्षेत्रों में उद्योगों को आकर्षित करना है जिससे ओडिशा भारत का औद्योगिक केंद्र बन सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ओडिशा को सबसे अधिक व्यापार-अनुकूल राज्यों में से एक बनाने के लिए विभिन्न उपायों को लागू कर रही है।

फीनिक्स ओवरसीज लिमिटेड का आईपीओ 20 सितंबर 2024 को खुलेगा

मुंबई, । फीनिक्स ओवरसीज लिमिटेड, जो कृषि वस्तुओं, पशु चारा, फैशन सहायक उपकरण और खाद्य संरक्षण के व्यापार और विनिर्माण में उत्कृष्ट है, ने एनएसई पर सूचीबद्ध होने के लक्ष्य के साथ 20 सितंबर, 2024 को अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश खोलने का प्रस्ताव रखा है। इमर्ज प्लेटफॉर्म को शेयर इश्यू से 36.03 करोड़ रुपये जुटाने हैं।

इश्यू का आकार रू10 अंकित मूल्य पर 56,30,000 इक्विटी शेयरों तक है।

इक्विटी शेयरों का आवंटन

योग्य संस्थागत क्रेता - 8,02,000 इक्विटी शेयर

गैर-संस्थागत निवेशक - न्यूनतम 23,00,000 इक्विटी शेयर

खुदरा व्यक्तिगत निवेशक - न्यूनतम 22,46,000 इक्विटी शेयर

मार्केट मेकर - 2,82,000 इक्विटी शेयर

इस आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं, अकार्बनिक विकास पहलों को आगे बढ़ाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा। यह इश्यू 24 सितंबर, 2024 को बंद हो जाएगा। इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर खंडवाला सिक्योरिटीज लिमिटेड है, जबकि इश्यू का रजिस्ट्रार कैमियो कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड है।

फीनिक्स ओवरसीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री अपरेश नंदी ने कहा, "जैसा कि कंपनी अपने आईपीओ के लिए तैयारी कर रही है, हमें अपनी यात्रा और उपलब्धियों पर गर्व है। सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा थ्री-स्टार एक्सपोर्ट हाउस के रूप में मान्यता प्राप्त है। तब से, हमने कृषि निर्यात, जूट और फैशन सहायक विनिर्माण और खाद्य संरक्षण में एक विविध व्यवसाय बनाया है। आगामी आईपीओ हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह हमें उभरते बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने, अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने और अपनी वैश्विक पहुंच बढ़ाने का अवसर देकर हमारे भविष्य के विकास को गति देगा। कृषि निर्यात, जूट विनिर्माण और कोल्ड स्टोरेज समाधानों में मजबूत नींव के साथ, हम अपने परिचालन को बढ़ाने, नवाचार करने और लगातार विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य में नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। यह कदम हमें दीर्घकालिक सफलता के लिए तैयार करते हुए निरंतर मूल्य प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।"

बाइकवो ग्रीन टेक लिमिटेड का आईपीओ 20 सितंबर 2024 को खुलेगा

मुंबई। बाइकवो ग्रीन टेक लिमिटेड, भारत के अग्रणी इलेक्ट्रिक दोपहिया खुदरा विक्रेताओं में से एक, जो पुराने चार-पहिया वाहनों की खरीद और बिक्री में विशेषज्ञता रखता है, ने 20 सितंबर, 2024 को अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश खोलने का प्रस्ताव दिया है। एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाले शेयरों के साथ रू24.09 करोड़ जुटाने के लिए।

इश्यू का आकार रू10 अंकित मूल्य पर 38,86,000 इक्विटी शेयरों तक है।

इक्विटी शेयरों का आवंटन

कयोग्य संस्थागत क्रेता - 1,86,000 इक्विटी शेयरों से अधिक नहीं

क गैर-संस्थागत निवेशक - 17,52,000 से कम इक्विटी शेयर नहीं

क खुदरा व्यक्तिगत निवेशक - 17,52,000 से कम इक्विटी शेयर नहीं

क मार्केट मेकर - 1,96,000 इक्विटी शेयर तक

इस आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की खरीद, ग्यारह डीलरशिप स्टोर स्थापित करने के लिए पूंजीगत व्यय, उधारों के पुनर्भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यह इश्यू 24 सितंबर, 2024 को बंद हो जाएगा।

इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर खंडवाला सिक्योरिटीज लिमिटेड है, इश्यू का रजिस्ट्रार बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है।

बाइकवो ग्रीन टेक लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री काटेपल्ली मणिदीप ने कहा, च्जैसा कि हम अपने आगामी आईपीओ के कगार पर खड़े हैं, हम इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में हमारी कंपनी के लिए आगे की रोमांचक संभावनाओं को साझा करने के लिए उत्सुक हैं। चूंकि हमारे शुरुआत में, हम एक पूर्व-स्वामित्व वाले वाहन खुदरा विक्रेता से एक इलेक्ट्रिक तक विकसित हो गए हैं और टिकाऊ परिवहन समाधानों की बढ़ती मांग का लाभ उठाते हुए दोपहिया वाहन बाजार में एक प्रमुख नेता के रूप में विकसित हुए हैं।

इस आईपीओ से प्राप्त धनराशि की आवश्यकता हमारी इलेक्ट्रिक वाहन सूची का विस्तार करने, रणनीतिक स्थानों पर नए डीलरशिप स्टोर खोलने और ऋण चुकौती के माध्यम से हमारी वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए होगी। टियर-I, टियर-II और टियर-III शहरों में मजबूत उपस्थिति स्थापित करने पर हमारा ध्यान ग्राहकों की सेवा करने और उभरते अवसरों को भुनाने की हमारी क्षमता को बढ़ाएगा।"

अश्विन के शतक और जडेजा के अर्धशतक से भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाये छह विकेट पर 339 रन

चेन्नई (एजेंसी)। आर अश्विन के शानदार शतक से भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ आज यहां शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में छह विकेट पर 339 बना लिए। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय रविंद्र जडेजा 86 और अश्विन 102 रन बनाकर खेल रहे थे। इस प्रकार पहले दिन के खेल का आकर्षण जडेजा ओर अश्विन की अच्छी बल्लेबाजी रही। भारतीय टीम ने आज सुबह लंच तक 88 रनों पर ही तीन विकेट खेल दिये थे। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 6 रनों पर ही आउट हो गये। वहीं शुभमन गिल अपना खाता भी नहीं खोल पाये। अनुभवी विराट कोहली भी 6 रन ही बना पाये। इसके बाद यशस्वी जायसवाल 56 और कार हादसे के बाद लंबे प्रारुप में वापसी करते हुए ऋषभ पंत 39 ने स्कोर आगे बढ़ाया। ऋषभ के आउट होने के बाद केएल राहुल भी 16 रन ही बना पाये। इसके बाद जडेजा और अश्विन ने शानदार साझेदारी कर भारतीय टीम को संकट से उबारा।

सुबह भारतीय टीम के शीर्ष बल्लेबाज असफल रहे। यशस्वी और ऋषभ ने चौथे विकेट के लिए 99 गेंद में 62 रन बनाये। ऋषभ हसन महमूद की गेंद पर आउट हुए। वहीं यशस्वी अर्धशतक लगाने के बाद मेहदी हसन मिराज का शिकार बने।

राहुल भी काफी समय बाद वापसी करते हुए नाकाम रहे और नाहिद राणा की गेंद पर पहली स्लिप में शादमैन इस्लाम के हाथों कैच हो गये। वह केवल 16 रन ही बना पाये। भारत के छह विकेट 150 रनों के अंदर गिर गये थे। दूसरे सत्र में भी बांग्लादेशी गेंदबाज हावी रहे। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुंलाया। भारतीय टीम के शीर्ष बल्लेबाज महमूद का सामना नहीं कर पाये। इस मैच में शानदार साझेदारी कर अश्विन और जडेजा ने सचिन व जहीर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 144 रनों पर छठा विकेट गिरने के बाद जडेजा और अश्विन ने पारी संभाली इन दोनों ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए बांग्लादेशी गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। इन दोनों ने 7वें विकेट के लिए स्टंप्स तक 227 गेंदों में 195 रनों की साझेदारी करते हुए भारत की पारी संभाल ली है। यह टेस्ट मैचों में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की ओर से सातवें विकेट या इससे नीचे की सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले सचिन तेंदुलकर और जहीर खान ने साल 2004 में 10वें विकेट के लिए 133 रन बनाये थे।

आज के मैच में बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

भारतीय टीम ने इस मैच में तीन तेज गेंदबाज और दो स्पिनर उतारे हैं। तेज गेंदबाजो में आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और मो सिराज हैं जबकि स्पिनर के तौर पर आर अश्विन और रविन्द्र जडेजा शामिल हैं।

चीन ओपन : मालविका का शानदार फॉर्म जारी, क्रिस्टी गिलमोर को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची

चांग्झू (चीन) (एजेंसी)। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड ने शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए ऊंची रैंकिंग वाली क्रिस्टी गिलमोर को हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज मालविका ने दो बार की राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता और स्कॉटलैंड की 25वीं रैंकिंग वाली गिलमोर के खिलाफ एक घंटे पांच मिनट तक चले मुकाबले में 21-17 19-21 21-16 से जीत दर्ज की। जीत के बाद मालविका ने कहा, 'मै पहली बार किसी सुपर 1000 टूर्नामेंट का क्वार्टर फाइनल खेलूंगी। यह सपना सच होने जैसा है और अब तक कैरियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है।' इससे एक दिन पहले मालविका ने पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता ग्रेगोरिया मारिस्का को हराया था। मालविका टूर्नामेंट में अकेली भारतीय खिलाड़ी बची हैं। अब उनका सामना दो बार की विश्व चैम्पियन चौथी वरीयता प्राप्त जापान की अकाने यामागुची से होग।

रोहित को ड्रेसिंग रूम में काफी सम्मान मिलता है : गंभीर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि रोहित को ड्रेसिंग रूम में काफी सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि कप्तानी का यह गुण किसी भी सफल नेता के लिए सबसे जरुरी होता है। गंभीर के अनुसार एक टीम की सफलता में कप्तान की भूमिका अहम होती है। उन्होंने कहा कि कोच की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है पर मैदान पर अंतिम निर्णय कप्तान ही लेता है। गंभीर ने कहा, टीम अंततः कप्तान की होती है क्योंकि वह मैदान पर आगे आकर नेतृत्व करता है। रोहित का नेतृत्व और ड्रेसिंग रूम में सम्मान अहम है। वह एक महान व्यक्ति हैं और उन्हें ड्रेसिंग रूम में बहुत सम्मान मिला है। यही एक नेता का असली गुण और उपलब्धि है।

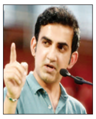

गंभीर ने यह भी माना कि कभी-कभी रणनीति या निर्णय लेने में मतभेद हो पर उनका मानना है कि अंतिम फैसला कप्तान का होना चाहिये। उन्होंने कहा, कप्तान के लिए सम्मान और समर्थन पर समझौता नहीं किया जा सकता है। अंतिम निर्णय कप्तान पर आधारित रहता है।

उन्होंने रोहित शर्मा के अलावा विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन और जसप्रीत बुमराह की भी जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, रोहित को शुरुआती दौर में मुश्किलों का सामना करना पड़ा पर समर्थन मिलने के बाद वह एक प्रमुख खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। वहीं विराट ने अपनी फिटनेस के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट को भी नई दिशा दी है। अश्विन दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर बने हैं, जबकि बुमराह ने विश्व क्रिकेट में अपनी अलग ही पहचान बनाई है। उनके अनुभव युवा खिलाड़ियों के लिए काफी अहम साबित होंगे। गंभीर ने यह भी जोर दिया कि टीम की जरूरतों को पूरा करने के लिए सही संयोजन चुनना अहम है।

शुभमन साल में तीन बार शून्य पर आउट होने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बने

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मैच में बांग्लादेश टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वहीं शुरुआत में ही भारत को तीन झटके लगे। इसी में शुभमन गिल बिना खोले पवेलियन लौट गए। उनके साथ ही उनके नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया।

बांग्लादेश के खिलाफ पहली पारी में शुभमन गिल लय में नहीं दिखे और आठ गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। बांग्लादेश के गेंदबाज एक रणनीति के तहत गेंदबाज कर रहे थे और गिल को लेग साइड पर मारने के लिए मजबूत कर रहे थे और आखिर में उन्हें इसका फल मिला। 8वें ओवर की तीसरी गेंद पर हसन महमूद ने एक बार फिर गिल की लेग साइड पर गेंद की और उनको शॉट खेलने के लिए मजबूर किया और गेंद बैट का किनारा लेकर लिटन के पास गई। गिल इस साल तीसरी बार घरेलू मैदान पर जीरो पर आउट हुए हैं। इसके साथ ही गिल एक कैलेंजर वर्ष में 3 या उससे ज्यादा शून्य पर आउट होने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बन गए। मोहिंदर अमरनाथ एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा बार जीरो पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। 1993 में वह पांच पर खाता नहीं खोल सके थे। कोहली का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। 2021 में कोहली तीन बार बिना खाता खोले आउट हुए थे।

ऋषभ 4000 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन 39 रनों की अपनी पारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे किये। ऋषभ ने जैसे ही 19 रन बनाया उनके 4000 रन पूरे हो गये। इसी के साथ ही ऋषभ के नाम एक अहम रिकार्ड दर्ज हो गया है। वह महेन्द्र सिंह धोनी के बाद भारत के दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज हैं जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 4000 से ज्यादा रन बनाये हैं। धोनी के नाम बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर 17092 रन हैं। वहीं अन्य सभी विकेटकीपर बल्लेबाजों के नाम 4000 से कम रन हैं। ऋषभ ने इस मैच के साथ ही करीब दो साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की है। वह साल 2022 दिसंबर में कार हादसे के बाद से ही खेल से दूर थे। उन्होंने इसी साल आईपीएल से वापसी करने के बाद टी20 विश्वप भी खेला था पर ये उनका पहला टेस्ट था। इससे पहले इस क्रिकेटर ने दिलीप ट्रॉफी भी खेली थी।

आईपीएल 2025 नीलामी नवंबर अंत या दिसंबर की शुरुआत में होगी : बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी नवंबर के अंत या दिसंबर की शुरुआत में होगी । बीसीसीआई ने पिछले एक दशक में दो बड़ी नीलामियों का आयोजन किया है, जिनके बीच चार साल का अंतराल था । पहली मेगा नीलामी 2014 में आयोजित की गई थी जबकि दूसरी 2018 में, उस समय राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने दो साल के निलंबन के बाद वापसी की थी । एक रिपोर्ट के अनुसार , आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी की तिथि की पुष्टि हो गई है । हालांकि, नीलामी के नियम और विनियम अभी तक घोषित नहीं किए गए हैं । पूर्व में कोविड-19 महामारी के चलते 2021 की मेगा नीलामी को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया था । तब टीमों ने इस दौरान अपने खिलाड़ियों के अनुबंध में एक साल के लिए बढ़ा दिया था । 2022 में हुई पिछली मेगा नीलामी की तरह, आगामी नीलामी भी दो दिन की रहेगी । साल 2022 में टीमों को अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दी गई थी । हालांकि अभी तीन साल के चक्र की समाप्ति के साथ ही विभिन्न फ्रेंचाइजी के बीच रिटेन (बरकरार रखे) गए खिलाड़ियों की संख्या को लेकर भी संशय है । कुछ टीमें अधिकतम आठ खिलाड़ियों को रिटेन करने की मांग कर रही हैं, जबकि अन्य चार या पांच खिलाड़ियों की है, को बनाए रखने के पक्ष में हैं ।

टी-20 प्रारुप में वापसी का इरादा नहीं : रोहित

-कुछ लोगों ने संन्यास को भी मजाक बना दिया

चेन्नई । भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह टी-20 प्रारुप में वापसी नहीं करेंगे । रोहित ने टी-20 विश्वकप के बाद इस प्रारुप से संन्यास ले लिया था पर हाल में कहा जा रहा था कि वह अपना फैसला बदल सकते हैं । इसी को लेकर रोहित ने कहा कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है । साथ ही कहा कि संन्यास के बाद वापसी करने वाले खिलाड़ी पर तंज कसते हुए रोहित ने कहा कि कुछ लोगों ने इसे मजाक बना दिया है। पर मैं ऐसा नहीं करुंगा । मैंने बिल्कुल सही समय पर टी-20 को छोड़ा है। रोहित ने कप्तान के तौर पर भारतीय टीम के टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद संन्यास लिया था । रोहित ने कहा कि कुछ लोग संन्यास की घोषणा करते हैं लेकिन फिर खेलने के लिए लौट आते हैं, भारत में ऐसा नहीं हुआ है पर मैं अन्य देशों के खिलाड़ियों को देख रहा हूं, वे संन्यास की घोषणा करते हैं पर फिर बदल लेते हैं । इसलिए आप वास्तव में कभी नहीं जानते कि कोई वास्तव में सेवानिवृत्त हुआ है या नहीं । मेरा निर्णय अंतिम है और मैं बहुत स्पष्ट हूं । गौरतलब है कि पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने भी संन्यास से वापसी करते हुए विश्व कप में पाकिस्तान की ओर से खेला था । इसी प्रकार बेन स्टोक्स ने भी एकदिवसीय से संन्यास लेने के बाद 2023 एकदिवसीय विश्व कप में खेला था ।

गत चैम्पियन भारत सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप के शुरूआती मैच में बांग्लादेश से भिड़ेगा

थिम्पू (एजेंसी)। गत चैम्पियन भारत शुक्रवार को यहां सैफ अंडर-17 फुटबॉल चैम्पियनशिप में ग्रुप ए के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा। तीन टीम के ग्रुप ए में मालदीव तीसरी टीम है और भारत को 24 सितंबर को उससे भिड़ना है। ग्रुप बी में मेजबान भूटान, नेपाल, श्रीलंका और पाकिस्तान शामिल हैं।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें 28 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी जिसके बाद 30 सितंबर को फाइनल होगा। भारत 2022 का चैम्पियन है, जब पिछली बार यह टूर्नामेंट अंडर-17 आयु ग्रुप में खेला गया था। पिछले साल का चरण अंडर-16 आयु वर्ग के लिए कराया गया था जिसका विजेता भी भारत ही था। मुख्य कोच इश्फाक अहमद ने इसी चांगलिमिथांग स्टेडियम में ट्राफी उठाने वाली टीम के 23 में से 16 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। एक साल पहले भारत ने शुरूआती मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 1-0 से जीत दर्ज की थी और फाइनल भी बांग्लादेश के खिलाफ हुआ था जिसमें वह 2-0 से विजेता रहा था। इश्फाक अहमद ने टूर्नामेंट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'हमें बांग्लादेश के खिलाफ चुनौतीपूर्ण मैच की उम्मीद है। मैं चाहता हूं कि हमारे खिलाड़ियों की परीक्षा हो और हम जानते हैं कि बांग्लादेश की टीम से खेलना इतना आसान नहीं होगा। हमें सकारात्मक शुरूआत का भरोसा है। उम्मीद है कि हर कोई मैच में अच्छी फुटबॉल का लुत्फ उठाएगा।'

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के पूर्व कोच दिलीप समरवीरा पर लगा 20 साल का प्रतिबंध

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी दिलीप समरवीरा पर 20 साल का प्रतिबंध लगाया है । दरअसल, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओस रे दलीप समरवीरा के आचरण को बेहद निंदनीय करार दिया गया है । इस दौरान उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, राज्य क्रिकेट के शंघों बीबीएल या डब्ल्यूबीबीएल के क्लबों मं कोई भी पद नहीं होगा । 52 साल के दिलीप समरवीरा को क्रिकेट विक्टोरिया के कर्चमारी के रूप में सीए की आचार संहिता का गंभीर उल्लघंन करते हुए पाया गया था । सीए के आचार संहिता आयोग्य की ओर से उनके आचरण के बारे में शिकायत की गई है । इसके बाद क्रकेट ऑस्ट्रेलिया के इंटीग्रिटी विभाग की जांच पर 20 साल का प्रतिबंध लगाय गया । बता दें कि, दिलीप समरवीरा ने 1993 से 1995 के बीच श्रीलंका के खिला सात टेट और पांच वनडे मैच खेले थे। वह लंबे समय तक विक्टोरिया महिला और वूमिंस बिग बैश लीग मेलबर्न स्टार्क के सहायक कोच थे। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें इस साल की शुरुआत में विक्टोरिया महिला टीम के सीनियर कोच की भूमिका में प्रमोट किया जाना था, लेकिन प्रांत की नीतियों के कारण उनहें नियुक्ति देने से मना कर दिया । इसके बाद उन्हें इस पद पर काम करने के दो सप्ताह द ही इस्तीफा देना पड़ा था ।

अफगानिस्तान ने पहली बार दक्षिण अफ्रीका को एकदिवसीय मैच में हराया

शारजाह (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने पहली बार एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। अफगानिस्तान ने दक्षिण अफ्रीकी टीम को यहां तीन मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में 106 रन पर आउट कर दिया। इसे बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 26 ओवर में ही 4 विकेट पर 107 रन बनाकर हासिल कर दिया। इस प्रकार उसे मैच में 6 विकेट से जीत मिली है। इस प्रकार अफगानिस्तान ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। अफगान टीम की जीत में फजलहक फारूकी और मोहम्मद गजनफर की अहम भूमिका रही। फारूकी ने 35 रन देकर 4 जबकि गजनफर ने 20 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा अनुभवी राशिद खान ने 30 रन देकर दो विकेट लिए।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज टिक नहीं पाये और बड़ी मुश्किल से 100 रन बना पाये। केवल वियान मुल्डर ही 52 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटते गये। यह अफगानिस्तान के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका का सबसे कम स्कोर भी है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 3 एकदिवसीय मैच खेले गए हैं। इसमें पहले दो मैच दक्षिण अफ्रीकी टीम ने जीते थे जबकि अब अफगान टीम को पहली जीत मिली है।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करने हुए अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। उसने 38 रन के भीतर 3 विकेट गंवा दिए। इसके बाद अजमतुल्लह ओमरजई 25 नाबाद ने कप्तान हशमतुल्लह शाहिदी के साथ मिलकर टीम को संभाला। हशमतुल्लह शाहिदी 16 के आउट होने के बाद गुलबदीन नईब मैदान पर उतरे और उन्होंने नाबाद 34 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

45वां शतरंज ओलंपियाड : भारतीय टीम की लगातार छठी जीत , शीर्ष पर पहुंचा भारत

बुडापेस्ट, हंगरी । भारतीय पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने 45वें विश्व शतरंज ओलंपियाड के छठे दौर में अपने बेहतरीन प्रदर्शन को जारी रखते हुए शीर्ष स्थान पर कब्जा जमा लिया है। अर्जुन एरिगैसी और विदित गुजराती की महत्वपूर्ण जीतों ने भारतीय पुरुष टीम को हंगरी के खिलाफ 3-1 से विजयी बनाया, जबकि महिला टीम ने दिव्या देशमुख की जीत के दम पर अर्मेनिया पर 2.5-1.5 से जीत दर्ज की ।

अर्जुन की लगातार छठी जीत- विश्व के नंबर चार ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने छठे दौर में तीसरे बोर्ड पर हंगरी के सजुगिरोव सानन को मात देकर अपनी लगातार छठी जीत हासिल की । इस जीत के साथ अर्जुन का ओलंपियाड में परफेक्ट स्कोर बना हुआ है, और वह 2791 की करियर-हाई रेटिंग तक पहुंच चुके हैं । अर्जुन के अलावा चौथे बोर्ड पर विदित गुजराती ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और बेंजामिन ग्लेडुरा को हराकर भारतीय टीम की जीत सुनिश्चित की ।शीर्ष बोर्ड पर डी गुकेश ने हंगरी के शीर्ष खिलाड़ी रिचर्ड रैपॉर्ट के खिलाफ ड्रॉ खेला, जबकि दूसरे बोर्ड पर प्रप्रज्ञानन्दा ने भी दिग्गज पीटर लेको के साथ अंक बांटे । इस जीत के बाद अब भारतीय पुरुष टीम 12 अंकों के साथ एकल बढ़त पर है ।

संग्राम सिंह एमएमए में डेब्यू के लिए तैयार, पाकिस्तान के अली रजा नासिर के खिलाफ पहला मुकाबला

त्बिलिसी (जॉर्जिया) (एजेंसी)। जाने-माने पहलवान और कॉमनवेल्थ हैवीवेट कुश्ती चैंपियन संग्राम सिंह यहां यूरोपियन यूनिवर्सिटी में होने वाले गामा इंटरनेशनल फाइटिंग चैंपियनशिप में पाकिस्तान के अली रजा नासिर के खिलाफ अपने बहुप्रतीक्षित मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) पदार्पण के लिए तैयार हैं।

अपने पहले एमएमए मुकाबले की मांगों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त 2-3 किलोग्राम वजन बढ़ाने के प्रशिक्षण के बारे में बात करते हुए संग्राम सिंह ने कहा, 'मेरा मानना है कि तैयारी का हर पल मायने रखता है। मैं इस मुकाबले के लिए सर्वोत्तम संभव आकार में रहना चाहता हूं।' हालांकि, यह नई चुनौती अपने साथ कुछ भावनाएं लेकर आई है। उन्होंने कहा, 'मैं इसे एक रोमांचक अवसर के रूप में देखता हूं, जो भगवान ने मुझे दिया है।'

अपने पहले एमएमए मुकाबले को लेकर अपनी घबराहट के बारे में बात करते हुए संग्राम ने कहा, 'मैं इसे एक रोमांचक अवसर के रूप में देखता मैं परिणाम की परवाह किए बिना शानदार प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं नर्वस हूं और मैं चाहता हूं कि मेरा डेब्यू एक यादगार मैच हो। मैं जीतने के बारे में इतना जुनूनी नहीं हूं, बल्कि अपने साथियों और प्रशंसकों का सम्मान पाने की उम्मीद कर रहा हूं।'

संग्राम जीएएमए में मुख्य फाइट कार्ड के लिए चुने जाने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ 93 किलोग्राम वर्ग की एमएमए फाइट में अपनी पहली भागीदारी को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'इस तरह के प्रतिष्ठित मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि आप वैश्विक आयोजनों में भाग लेते समय अपने देश को नहीं देखते हैं, तो कुछ कमी है। मैं इस पद पर पहला भारतीय पुरुष पहलवान बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और मेरा लक्ष्य अपने देश को गौरवान्वित करना है।'

जॉर्जिया में होने वाली चैंपियनशिप में जॉर्जिया, आर्मेनिया, अजरबैजान, पाकिस्तान और यूक्रेन सहित 5 अन्य देश भाग लेंगे। व्यक्तिगत सफलता के अलावा, संग्राम को उम्मीद है कि एमएमए में उनकी यात्रा भारत के युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, 'यह खेल उन युवाओं के लिए है जो अपने जुनून को आगे बढ़ाने और सक्रिय रहने की इच्छा रखते हैं। उन्होंने एमएमए को युवाओं का खेल बताते हुए कहा, 'इसमें अनुशासन, फिटनेस और प्रतिस्पर्धा की भावना समाहित है। मुझे उम्मीद है कि मेरी लड़ाई भविष्य में उनके लिए हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।'

ग़ज़ल नाईट के साथ हुआ गणपति महोत्सव का समापन

सुरत भुमि, सूरत। वेसू स्थित नंदिनी-1 सोसायटी में शनिवार, 7 सितंबर से चल रहे भव्य गणपति महोत्सव का मंगलवार को ग़ज़ल नाईट के साथ समापन हुआ। मंगलवार को रात्रि आठ बजे से ग़ज़ल नाईट का आयोजन किया गया, जिसमें जुगल अग्रवाल ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी।

इससे पूर्व सुबह ग्यारह बजे से गणपति का विसर्जन सोसायटी में ही किया गया। दस दिन चले गणपति महोत्सव में फ़ैशन शो, कोरियोग्राफ़ी नाईट, डांस, फैंसी ड्रेस सहित अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सूरत शाखा द्वारा IM-ACON SURAT 2024 कॉन्फ्रेंस का आयोजन

सुरत भुमि, सूरत।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) सूरत शाखा द्वारा रविवार, 22 सितंबर 2024 को ले मेरिडियन, डुमस रोड, सूरत में IMACON SURAT 2024 कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में अहमदाबाद, आनंद और सूरत के 14 प्रसिद्ध डॉक्टर विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य डॉक्टरों के ज्ञान को बढ़ाना है ताकि वे अपने मरीजों को बेहतर उपचार दे सकें। इसमें सूरत के 500 से अधिक डॉक्टरों के शामिल होने की उम्मीद है, और इस आयोजन का मुख्य फोकस शैक्षिक जानकारी पर होगा, न कि भव्यता पर।

विभिन्न विशेषज्ञता वाले डॉक्टर अपने अनुभव साझा करेंगे। सूरत के गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विशेषज्ञों का एक प्रमुख पैनल, जिसमें डॉ. सुभाष नंदवानी, डॉ. जिग्नेश घेवड़िया, डॉ. चिंतन प्रजापति, डॉ. केयूर भट्ट और डॉ. रितेश प्रजापति शामिल हैं, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों के निदान पर चर्चा करेंगे। डॉ. अनिल पटेल किडनी ट्रांसप्लांट में सावधानियों पर मार्गदर्शन देंगे, जबकि आनंद की डॉ. नयनाबेन पटेल बांझपन के इलाज में स्टेम सेल थेरेपी पर शोध प्रस्तुत करेंगी। डॉ. नेहा पटेल कैंसर के इलाज में रेडियोथेरेपी में हालिया प्रगति पर बात करेंगी।

अन्य विषयों में डॉ. धैवत वैष्णव अहमदाबाद से अग्नाशय की देखभाल में रोबोटिक सर्जरी पर चर्चा करेंगे और डॉ. दिवाकर जैन लिवर ट्रांसप्लांटेशन पर प्रकाश डालेंगे। डॉ. प्रार्थन जोशी यूरोलॉजी में नई तकनीकों पर बात करेंगे, जबकि सूरत के डॉ. संजय वाघानी कार्डियोलॉजी में एडवांस स्टेंट तकनीक पर जानकारी साझा करेंगे। इसके अलावा, डॉ. अमित गुप्ता कैंसर पर, डॉ. संदीप पटेल नर्वस सिस्टम के विकारों पर, डॉ. दीपेन भुवा मेडिकल ऑन्कोलॉजी में नए विकास पर और डॉ. शैलेश रोहित सेल थेरेपी द्वारा भविष्य की चिकित्सा पर बात करेंगे। श्री हुरिन कंचवाला डॉक्टरों के लिए वित्तीय योजना पर सलाह देंगे।

इस आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले प्रमुख डॉक्टरों में डॉ. दिगंत शास्त्री, डॉ. विनीश शाह, डॉ. प्रशांत करिया, डॉ. विनोद सी. शाह, और अन्य कई डॉक्टरों ने अहम भूमिका निभाई है

अग्रवाल विकास ट्रस्ट जयंती महोत्सव का भव्य शुभारंभ

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमों की शुरुआत गुरुवार को सिटी-लाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार ने बताया की इस अवसर पर समारोह अध्यक्ष के रूप में जयप्रकाश अग्रवाल एवं अतिथि विशेष के रूप में बाबूलाल मित्तल उपस्थित रहें। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों एवं ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन करके की गयी। इसके पश्चात् ट्रस्ट के सदस्यों, महिला एवं युवा शाखा सदस्यों द्वारा अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

जयंती महोत्सव के शुभारंभ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में अग्रवाल विकास ट्रस्ट के पूर्वअध्यक्ष संजय सरावगी, सचिव अनिल शोरेवाला, उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल, सहसचिव दिनेश बंसल, कल्चरल समिति मार्गदर्शक अर्जुनदास अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, कपीश खाटूवाला, युवा शाखा अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल सहित ट्रस्ट के अनेकों सदस्य एवं युवा एवं महिला शाखा के अनेकों सदस्य उप-स्थत रहें। ट्रस्ट द्वारा 3 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन जी की जयंती मनाई जाएगी एवं जयंती महोत्सव का समापन 6 अक्टूबर को होगा। इस दौरान ट्रस्ट द्वारा अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलों का आयोजन किया जायेगा।

AM/NS Indiaने वृक्षारोपण के लिए सद्भावना सेवा फाउंडेशन के साथ एमओयू किया

सुरत भुमि, हजीरा-सूरत।

दुनिया के दो प्रमुख इस्पात निर्माता आर्सेलरमित्तल और निप्पॉन स्टील के संयुक्त उद्यम आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (AM/NS India) ने हजीरा क्षेत्र में पौधारोपण के लिए सद्भावना सेवा फाउंडेशन के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। सितंबर 16, 2024 के विश्व ओज़ोन दिवस के अवसर पर हस्ताक्षरित एमओयू का उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता, संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता में योगदान करना है। गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (GPCB), सूरत क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. जिज्ञासा ओझा की उपस्थिति में डॉ. अनिल मट्टू, प्रमुख - कॉर्पोरेट अफेर्स, AM/NS India, हजीरा और रमेश डांगरिया, निदेशक, सद्भावना सेवा फाउंडेशनने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में AM/NS India की ष्टस्क्र और पर्यावरण विभागीय टीमें एवं GPCB के अधिकारी उपस्थित थे।

इस एमओयू के संबंध में डॉ. अनिल मट्टू, प्रमुख - कॉर्पोरेट अफेर्स, AM/NS India, हजीराने कहा कि, "इस पहल का उद्देश्य स्थानीय समुदायों के बीच पर्यावरण और पौधारोपण के बारे में जागरूकता पैदा करना और स्थानीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृक्ष आवरण को बहाल करना है। हमने GPCB के साथ मिलकर अपनी ष्टस्क्र पहल के हिस्से के रूप में विभिन्न पर्यावरण संरक्षण उपायों को लागू किया है और इन प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पौधारोपण परियोजना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक आवश्यक कदम है। पेड़ लगाना प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का एक सार्थक तरीका है, जिससे न केवल हमें बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी फायदा होता है।

हजीरा में वृक्ष आवरण बढ़ाने में मदद के लिए GPCB के अनुरोध के बाद यह पहल शुरू की गई थी। GPCB अध्यक्ष ने राज्य भर में समान पौधारोपण गतिविधियों के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार की है। इस परियोजना के लिए, GPCB से जुड़ा सद्भावना सेवा फाउंडेशन वृक्षारोपण का कार्य करेगा और अगले 3 वर्षों तक पेड़ों के रखरखाव और देखभाल के लिए जिम्मेदार होगा।

मंत्री मुकेशभाई पटेल, माननीय राज्य मंत्री वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन एवं जल आपूर्ति, गुजरात सरकारने भी इस पहल को अपना समर्थन दिया है और सद्भावना फाउंडेशन जैसे संगठनों के साथ साझेदारी में एक मेगा पौधारोपण अभियान का आह्वान किया है।

डबल एसी डोम में जी9 एपेक्स ग्रुप द्वारा विश्व के सबसे बड़े नवरात्री का आयोजन किया गया

सूरत। इस बार जी नाइन एपेक्स ग्रुप द्वारा सूरत एयरपोर्ट के सामने अवध कॉपर स्टोन के पास दो लाख वर्ग फीट क्षेत्र में दो एसी डोम में नवरात्रि का भव्य आयोजन किया गया है। जी नाइन एपेक्स ग्रुप के हिरेनभाई काकडिया ने योजना के बारे में जानकारी दी और कहा कि इस साल जी नाइन ग्रुप केदार भगत म्यूजिक डायरेक्टर, दिव्या कुमार बॉलीवुड सिंगर, प्रियंका वैद, चैताली छाया, विश्व शाह, श्वेता विरस, कौशिक देशपांडे जैसे शीर्ष गायकों के साथ नवरात्रि का आयोजन करेगा। योजना के दौरान गरबा खेलने आने वाले खिलाड़ियों को यदि कोई चिकित्सीय समस्या होगी तो उनके लिए मौके पर ही आईसीयू के माध्यम से अस्पताल जैसी उपचार सुविधा स्थापित की जाएगी। इसके अलावा एक एम्बुलेंस और एक फायर फाइटर भी वहां मौजूद रहेगा खिलाड़ी। विश्व के सबसे बड़े और श्रेष्ठ नवरात्र के लिए दो सेंट्रल एसी डोम का निर्माण किया गया है। गुंबद स्वयं अग्निरोधी है, इसमें दुनिया की सबसे अच्छी ध्वनि प्रणाली, विद्युतीकरण प्रकाश, फ्लेक्स नियॉन थीम और सेल्फी पॉइंट हैं।

खिलाड़ियों के लिए फर्श में आरसीसी के साथ लाइन संरेखण स्थापित किया गया है और अच्छी पार्किंग की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा खिलाड़ियों के लिए स्वच्छ शौचालय की सुविधा भी बनाई गई है। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन 30 से 35,000 लोग एकत्रित होकर गरबा खेलेंगे, जिससे दो विशाल सेंट्रल एसी डोम में नवरात्रि का आयोजन किया जाता है। नवरात्रि स्थल की योजना के बारे में हिरेनभाई काकडिया ने कहा कि हम लंबे समय से एक बड़ी जगह की तलाश में थे।

शहर के बीच में इतनी बड़ी जगह मिलना मुश्किल था. अगर इतनी बड़ी प्लानिंग शहर के अंदर होती है तो स्थानीय लोगों और शहरवासियों को काफी ट्रैफिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है.

हर दिन 30 से 35,000 लोगों की भीड़ के लिए शहर में हवाई अड्डे के सामने दो लाख वर्ग फुट क्षेत्र में गरबा रात्रि की योजना बनाई गई है।

गरबा कलाकारों के लिए बड़ी जगह होगी और गरबा देखने वाले मेहमानों के लिए बैठने की जगह के साथ-साथ वाहन पार्किंग के लिए भी पर्याप्त जगह होगी। हिरेनभाई ने सूरत के लोगों को संदेश देते हुए कहा कि सूरत के लोग जी नाइन गरबा की रात डबल एसी डोम के विशाल स्थान पर आएं और सांस्कृतिक और पारंपरिक रूप से नवरात्रि उत्सव का आनंद लें।

मैकडॉनल्ड्स इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पसंदीदा मैकक्रिस्पी चिकन बर्गर और पहला क्रिस्पी वेजी बर्गर लॉन्च किया

मुंबई । इस त्यौहारी सीजन में, वेस्टलाइफ़ फूडवर्ल्ड के स्वामित्व और संचालन वाले मैकडॉनल्ड्स इंडिया (W&S) ने दो प्रीमियम बर्गर - मैकक्रिस्पी चिकन बर्गर और क्रिस्पी वेजी बर्गर लॉन्च करने की घोषणा की है। दुनिया भर में लोकप्रिय मैकक्रिस्पी चिकन बर्गर और विशिष्ट रूप से तैयार किया गया नया क्रिस्पी वेजी बर्गर के साथ भारत में भी अपनी बहुप्रतीक्षित शुरुआत कर रहा है। ये नए उत्पाद मैकडॉनल्ड्स की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जो विविध स्वाद वरीयताओं वाले ग्राहकों के लिए अभिनव मेनू विकल्प प्रदान करते हैं।

मैकक्रिस्पी चिकन बर्गर में पूरी तरह से मसल चिकन फिलेट पैटी है, जिसे प्रीमियम वॉटर-कट ग्लेज़्ड बन, ताज़ा लेट्यूस और क्रीमी पेपर मेयो सॉस के साथ परोसा जाता है। यह बर्गर एक बेहतरीन क्रंच, बेहतरीन चिकन अनुभव का वादा करता है जो बर्गर श्रेणी में एक नया मानक स्थापित करेगा।

क्रिस्पी वेजी बर्गर शाकाहारी ग्राहकों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई पेशकश है। इस अनूठे उत्पाद नवाचार में सात उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियों के मिश्रण से बनी प्रीमियम क्रिस्पी वेजी पैटी शामिल है। वाटर-कट ग्लेज़्ड बन और स्वादिष्ट कॉकटेल मेयो सॉस के साथ, यह बर्गर बोल्ड स्वाद और क्रंचीनेस देने के लिए तैयार किया गया है।

वेस्टलाइफ़ फूडवर्ल्ड के कार्यकारी निदेशक अक्षय जाटिया ने कहा, "हम प्रतिष्ठित मैकक्रिस्पी चिकन बर्गर और बिल्कुल नए क्रिस्पी वेजी बर्गर को लॉन्च करके बहुत खुश हैं, जो हमारे उत्पाद नवाचार की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह लॉन्च भारत में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय स्वाद लाने के साथ-साथ हमारे शाकाहारी ग्राहकों के लिए विशिष्ट पेशकश बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ये हमारे सबसे बड़े और रोमांचक लॉन्च में से एक हैं और हमें विश्वास है कि ये नए बर्गर केटेगरी में एक पूर्ण गेम-चेंजर साबित होंगे। हमें पूरा भरोसा है कि यह लॉन्च भारत में बर्गर कैटेगरी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

हाईलाइफ एग्जिबिशन द्वारा होटल मैरियट में आयोजित हाईलाइफ ब्राइडल स्प्लेंडर प्रदर्शनी

सुरत भुमि, सूरत। शादी के दिनों को ध्यान में रखकर हाई लाइफ ब्राइड्स: ब्राइडल स्प्लेंडर प्रदर्शनी 21 और 22 सितंबर को सूरत के होटल मैरियट में आयोजित किया जाएगा। जो उन दुल्हनों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगा जो लालित्य और कौशल हासिल करना चाहते हैं। जहां आपको ब्राइडल वियर का क्यूरेटेड कलेक्शन देखने को मिलेगा। जिसमें कालातीत डिजाइन से लेकर मॉडर्न ट्रेंड्स तक सब कुछ देखने को मिलेगा। प्रत्येक पोशाक को उत्तम आभूषण और स्टाइलिश सामान द्वारा पूरक किया जाएगा। जो आपकी शादी के दिन को यथासंभव यादगार बनाने का विकल्प देखेगा। तो इस भव्य उत्सव के लिए हमसे जुड़ें। मैरियट सूरत में हाईलाइफ़ ब्राइड्स शादी समारोह के लिए आपके गंतव्य हैं। हम आपके साथ इस आकर्षक अनुभव को साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। तो 21 और 22 सितंबर को मैरियट, अठवालाइन्स, सूरत में आइये और हाईलाइफ ब्राइड्स में सर्वश्रेष्ठ फैशन संग्रह की खरीदारी करें।

सीईओ गोलमेज सम्मेलन में गुजरात में जलवायु वित्त के अवसरों की खोज पर चर्चा हुई

गांधीनगर।

गुजरात के लिए जलवायु वित्त अवसरों की खोज पर एक उच्च स्तरीय गोलमेज चर्चा 17 सितंबर, 2024 को गांधीनगर, गुजरात में महात्मा मंदिर सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित की गई थी। गुजरात सरकार द्वारा आयोजित सीईओ राउंडटेबल भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आयोजित ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो (री-इन्वेस्ट 2024) के चौथे संस्करण का हिस्सा था। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम ने वरिष्ठ वित्तीय हितधारकों को एक साथ लाया और गुजरात की भविष्य की ऊर्जा मांग का समर्थन करने के लिए आवश्यक पूंजी तक पहुंचने की रणनीतियों पर चर्चा की और विभिन्न वित्तीय उपकरणों और निवेश रणनीतियों के माध्यम से इन वित्तपोषण आवश्यकताओं को कैसे पूरा किया जा सकता है। इस गोलमेज सम्मेलन में राज्य और केंद्र सरकार के संस्थानों, अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय वित्तीय संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि, शिक्षाविद् और विभिन्न राज्यों के सचिव उपस्थित थे।

सत्र की शुरुआत गुजरात सरकार के मुख्य राज्य कर आयुक्त आईएएस श्री राजीव टोपनो और वित्त विभाग के प्रधान सचिव आईएएस डॉ. के अधिकारियों ने की। टी। नटराजन का विशेष संबोधन. इस सत्र में भारत सरकार और अन्य राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी जैसे आईएएस श्री बलदेव पुरुषार्थ, संयुक्त सचिव, आर्थिक मामलों के विभाग, वित्त मंत्रालय, अतिरिक्त मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, केरल सरकार, आईएएस श्री के. आर। ज्योतिलाल और ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री विवेक कुमार देवांगन उपस्थित थे। गुजरात के माननीय वित्त, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स मंत्री श्री कनुभाई देसाई ने सत्र की अध्यक्षता की, जिसका संचालन प्रोक्लेम के सीईओ श्री केविन कुमार कंडासामी ने किया।

इस गोलमेज सम्मेलन के संबंध में गुजरात सरकार के वित्त विभाग के मुख्य सचिव श्री डॉ. टी। नटराजन ने कहा, "गुजरात की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 2030 तक 100 गीगावॉट तक पहुंचने की संभावना है जिसके लिए पवन, सौर और हाइब्रिड ऊर्जा परियोजनाओं में महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होगी। इस गोलमेज़ का उद्देश्य यह चर्चा करना था कि गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए रु. ऊर्जा भंडारण प्रणाली (ईएसएस) के लिए 2.4 ट्रिलियन (30.6 बिलियन) रु. 1 ट्रिलियन (.12 बिलियन) और ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए रु. 550 बिलियन (6.6 बिलियन डॉलर) कैसे मिल सकता है. सत्र में चर्चा की गई कि विभिन्न वित्तीय हितधारकों से विभिन्न वित्तीय उपकरणों और निवेश रणनीतियों के माध्यम से इन वित्तपोषण आवश्यकताओं को कैसे पूरा किया जा सकता है। सत्र ने इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक वित्तपोषण तंत्र पर विशेष ध्यान देने के साथ हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण समाधान और अपतटीय पवन जैसी महत्वपूर्ण नवीकरणीय ऊर्जा पहलों की जांच की। हरित बांड, टिकाऊ ऋण, घरेलू ऋण विकल्प और जलवायु वित्त के लिए कार्बन क्रेडिट जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)